दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-343 | भोपाल, मंगलवार 10 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

यूपी में चार मजारों पर चला योगी सरकार का बुलडोजर

● बहराइच में लक्कड़ शाह,चमन शाह,भंवर शाह और शहंशाह की मजारें ध्वस्त

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद स्थित कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में वन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। देर रात प्रशासन की टीम ने जंगल के भीतर बनी चार मजारों को अवैध अतिक्रमण बताकर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में लक्कड़ शाह, चमन शाह, का निर्माण वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के तहत किया गया था। विभाग की मानें तो यह कदम लंबे समय से जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान का हिस्सा था। हालांकि, इस कार्रवाई से स्थानीय मुस्लिम समुदाय में आक्रोश देखा जा रहा है। समुदाय के लोगों का कहना है कि ये मजारें वर्षों से आस्था के

भंवर शाह और शहंशाह नामक मजारों को हटाया गया है। लक्कड़ शाह की मजार, जिसे 'बड़ी दरगाह' के रूप में जाना जाता था, मूर्तिहा रेंज के घूमना जंगल क्षेत्र में स्थित थी। वन विभाग ने इस अभियान को गोपनीय ढंग से अंजाम दिया। देर रात आधा दर्जन से अधिक बुलडोजरों की मदद से मजारों को गिराया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन सभी मजारों केंद्र रही हैं। बिना किसी पूर्व सूचना या कानूनी प्रक्रिया के उन्हें गिरा देना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है। चार धार्मिक स्थलों पर एक साथ बुलडोजर चलाए जाने के बाद मामला संवेदनशील होता जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वहीं, कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और मुआवज़े की मांग की है।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बड़ी राहत

● कोर्ट ने परिवार से फोन पर बात करने की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उसे फिलहाल अपने परिवार से एक बार फोन पर बात करने की इजाजत दे दी है।

यह बातचीत जेल के नियमों के

अनुसार और तिहाड़ जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी में होगी। कोर्ट ने राणा की सेहत को लेकर भी रिपोर्ट मांगी है।

एनआईए ने राणा को फोन करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने जेल अधिकारियों से यह भी पूछा है कि क्या राणा को भविष्य में जेल मैनुअल के हिसाब से नियमित फोन कॉल करने की इजाजत मिलनी चाहिए या नहीं। राणा को एनआईए ने हिरासत में लिया गया तब उसने परिवार से बात करने की इच्छा जताई थी। राणा के वकील की ओर से तर्क दिया गया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर राणा का यह मौलिक अधिकार है कि वह अपने परिवार से बातचीत करे। राणा का परिवार उसकी भलाई को लेकर चिंतित है।

इससे पहले 24 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने राणा की अपने परिवार से बात करने की अनुमति मांगने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। एनआईए द्वारा उसकी याचिका का विरोध करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया था। सुनवाई के दौरान, एनआईए ने तर्कदिया कि अगर राणा को अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति दी जाती है, तो वह बातचीत के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कर सकता है।

भोपाल सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में बना रहा है पहचान: मुख्यमंत्री

● कहा-नीम करोली महाराज के हनुमत धाम निर्माण से बढ़ेगी शहर की आभा व कीर्ति ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव हनुमत धाम के भूमि-पूजन कार्यक्रम में हुए वर्चुअली शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल, सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में पहचान बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है। कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम के निर्माण से भोपाल की आभा और कीर्ति बढ़ेगी। भोपाल में राजा भोज के नाम से भोज द्वार बनाने का संकल्प लिया था, हनुमत धाम निर्माण भी इसी दिशा में एक कदम है। सम्राट विक्रमादित्य सहित भारतीय संस्कृति से जुड़े सभी गौरवशाली पक्षों को यहां प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज-बाबा का हनुमत धाम का विमोचन भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देश को 2029 में भी प्राप्त होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है की वर्ष 2029 में भी देश को नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रूस से सस्ता पेट्रोल लेने के साथ ही इजराइल और अमेरिका से सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक से देश को लैस किया। यह उन्हीं के साहस और सामर्थ्य से संभव हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से चमत्कार कर दिखाया।

राजा रघुवंशी हत्याकांड का खुल गया 'राज'

● पत्नी सोनम ने ही प्रेमी के साथ मिलकर कराई हत्या ● यूपी में मिली, 5 संदिग्ध आरोपी भी पुलिस हिरासत में

पिता बोले-बेटी बेगुनाह,मेघालय पुलिस ने कहानी गढ़ी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद लापता उनकी पत्नी सोनम 17 दिन बाद यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिलीं। इसके बाद मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। इधर, सोनम के पिता ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। वहीं, मामले में 5 संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। राज कुशवाहा, विशाल चौहान को इंदौर जबकि आकाश राजपूत को इंदौर के पास और आनंद कुर्मी को बीना के बसाहरी गांव से पकड़ा गया। यूपी में ललितपुर के दिगवार गांव से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। सोनम के पिता देवी सिंह ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी।

● **यूपी के ललितपुर से पकड़ाया पांचवां संदिग्ध आकाश-** इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में मेघालय पुलिस ने यूपी के ललितपुर से भी एक युवक को गिरफ्तार किया है। रविवार रात शिलॉन्ग पुलिस ने ललितपुर के कोतवाली महरौनी के दिगवार गांव में छापामारी की। पुलिस ने यहां आकाश लोधी (18) को हिरासत में लिया। पड़ोसियों के बताया- आकाश अपने पिता राघवेंद्र लोधी के साथ इंदौर में रहता है। वह रविवार की शाम ही गांव पहुंचा था।

● **एसपी बोले-अन्य आरोपियों के पकड़े जाने के बाद सामने आई सोनम-** शिलॉन्ग में पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सायम ने कहा- मेघालय पुलिस की दो टीमें मध्यप्रदेश में हैं और एक टीम सोनम को गिरफ्तार करने के लिए उत्तर प्रदेश जा रही है। यह बड़ा फैक्ट है कि इतने दिनों तक वह बाहर नहीं आई थी, लेकिन कल रात जब राज कुशवाह और अन्य पकड़े गए, तो अचानक वह सामने आ गई। यह अपने आप में सब कुछ कहता है।

दुश्मन के ठिकानों पर होगा अब और भी सटीक हमला

● 10 हजार करोड़ की डील,वायुसेना को मिलेंगे आई-स्टार

ये तकनीक अभी अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स को जल्द ही तीन मॉडर्न आई-स्टार (इंटेलीजेंस, सर्विलांस, टारगेट एक्विजिशन एंड रिकॉनिसेंस) स्पाय ब्रिटेन और इजराइल जैसे चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास यह टेक्नॉलॉजी है। आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट की मदद से वायुसेना को दुश्मन के

एयरक्राफ्ट मिलने जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की लागत 10,000 करोड़ रुपए की है। इसका प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय जून के चौथे हफ्ते में होने वाली हाई लेवल मीटिंग में मंजूरी के लिए रखेगा। एयरक्राफ्ट मिलने के बाद भारत अमेरिका, जमीनी ठिकानों जैसे रडार स्टेशनों, एयर डिफेंस सिस्टम और मोबाइल टारगेट्स की सटीक जानकारी मिलेगी।

ये तीनों एयरक्राफ्ट विदेशी कंपनियों जैसे बोइंग और बॉम्बार्डियर से खुले टेंडर के माध्यम से खरीदे जाएंगे, लेकिन इनके अंदर लगने वाले सभी सिस्टम पूरी तरह स्वदेशी होंगे। मॉडर्न आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट के अंदर डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयरबोन सिस्टम की ओर से विकसित स्वदेशी सिस्टम लगाए जाएंगे। ये पहले ही परीक्षण में सफल हो चुके हैं। आई-स्टार विमान ऊंचाई से खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने, लक्ष्य पहचानने और उन पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। ये दिन और रात में किसी भी मौसम में काम करने में सक्षम होंगे। इनके जरिए दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से नजर रखी जा सकेगी। आई-स्टार सिस्टम हवाई और जमीनी दोनों हिस्सों में काम करेगा और भारतीय सेना की सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाएगा।

एमपी-एमएलए को टाइम मैनेजमेंट सिखाएंगे केंद्रीय मंत्री यादव

भोपाल। मप्र के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों की पचमढ़ी में तीन दिनों तक ट्रेनिंग होगी। 14 जून से 16 जून तक पचमढ़ी में होने वाले प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी अलग-अलग सत्रों में दी जाएगी। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले विधायक - सांसदों को सुबह 6.00 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7.00 से 8.00 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी। 13 जून की रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। 14 जून को दोपहर 12 बजे से आयोजित उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे।

फंस गया पाकिस्तान, टूटेगी आतंकवाद की जुगलबंदी !

● कनाडा में जी-7 से पीएम मोदी कर सकते हैं आखिरी चोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक स्तर पर भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यह कूटनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक गठबंधन को लेकर एक साथ आगे बढ़ रहा है। कनाडा में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास एक सुनहरा मौका है। मौजूदा हालातों में यहां वे भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। साथ ही, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और खालिस्तानियों की जुगलबंदी से भी एक साथ निपट सकते हैं। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को जी-7 में आमंत्रित किया है। यह भारत के लिए एक मंच हो सकता है। यहां से यह संदेश दिया जा सकता है कि भारत विरोधी ताकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह कहीं पर फल-फूल रहे हों। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत से उसके रिश्ते खराब हो गए थे। अब कार्नी के आने से उम्मीद की किरण जगी है। भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन मात्र आर्थिक साझेदारी और जलवायु परिवर्तन पर बात करने से बढ़कर है। यह उन ताकतों को हराने का मौका है, जो लंबे समय से भारत को अस्थिर करने की साजिशें कर रही हैं।

नक्सलियों के ब्लास्ट में एएसपी आकाश राव शहीद

● फूट-फूटकर रोए जवान,कोंटा एसडीओपी और टीआई जख्मी, सुकमा में पैदल गश्त पर निकले थे

सुकमा (एजेंसी)। सुकमा के कोंटा में नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर कोंटा डिवीजन के एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद हो गए हैं। घटना में कोंटा एसडीओपी भानुप्रताप चंद्राकर और टीआई सोनल ग्वाला घायल हैं। मौके के लिए फोर्स को रवाना किया गया है। दरअसल, नक्सलियों ने कल यानी 10 जून को भारत बंद का आह्वान किया था, इसे लेकर एएसपी आकाश राव अपनी टीम के साथ पैदल गश्त पर निकले थे, इसी दौरान कोंटा-एर्राबोर मार्ग पर डोंड्रा के पास नक्सलियों के लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए। ब्लास्ट में घायल एसडीओपी और टीआई की हालत खतरे से बाहर हैं उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र एयरलिफ्ट किया जा रहा है। वहीं एएसपी की शहादत की सूचना मिलने पर उनकी टीम के जवान फूट-फूटकर रोते रहे। गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए उनका शव रायपुर लाया गया है।

मोदी सरकार के 11 साल, नड्डा ने रखी अपनी बात

● कहा-पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी हुई थी ● बीजेपी चीफ बोले-मोदी सरकार में ये भावना बदल गई है ● कहा-नोटबंदी में लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था। नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46 फीसदी वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63 फीसदी वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है। यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है।

पीएम बोले-सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई- मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा,हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है। एक दिन पहले रविवार को मोदे ने कहा था कि उज्ज्वला योजना ने लाखों घरों को धुएं से मुक्ति दिलाई।

भारत,चीन,रूस के गठबंधन को ऐक्टिवेट करना चाहते हैं पुतिन

● निशाने पर अमेरिका,दिल्ली ने साथ नहीं दिया तो टूट जाएगी दोस्ती !

मॉस्को/बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध रोकने में बुरी तरह नाकाम रहे डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर आग बबूला हैं। जबकि दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन को कोई फर्क नहीं पड़ता अमेरिका कितना भी गुस्सा हो। पुतिन शतरंज की एक नई चाल चल रहे हैं, जिसमें एशिया में एक नया गठबंधन बनाने का प्लान है। मॉस्को की एशिया रणनीति में चीन और भारत को एक साथ लाते हुए एक नया गठबंधन बनाना है, जिसका मकसद पश्चिमी देशों के प्रभाव को

कम करना है। यूक्रेन ने 30 दिनों के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था, लेकिन रूस ने उसे ठुकरा दिया। मॉस्को,उस क्रीमिया पर अमेरिका की मान्यता चाहता है, जिसे उसने 2014 के युद्ध में कब्जाया था। जिसको लेकर पूर्व राजदूत माइकल मैकफॉल जैसे एक्सपर्ट्स ने इसे 'जहर की गोली' कहा है। उनका कहना है कि यह कूटनीति को पटरी से उतारने के लिए है। पुतिन हर हाल में अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला करना चाहते हैं और इसके लिए भारत-चीन दोनों का साथ चाहिए।

जलस्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिये ग्राम राजना में मनाया बावड़ी महोत्सव

जल संरक्षण के अंतर्गत प्राचीन जल स्रोतों पर चला स्वच्छता अभियान

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मंशा के अनुरूप पूरे मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में प्राचीन जल स्रोतों के संवर्धन के लिये अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें पांढुर्णा जिले के विकासखंड पांढुर्णा की प्राचीन बावड़ी को स्वच्छ कर बावड़ी उत्सव मनाया गया।

जिला कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन जल स्रोतों को पुनर्जीवन प्रदान करने के लिए पूरे मध्यप्रदेश में बावड़ी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ऐतिहासिक प्राचीन जलस्त्रोत बावड़ी के पुनर्जीवन के लिए कार्य किया जा रहा है, जिससे कि आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचा रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा ग्राम पंचायत राजना में स्थित प्राचीन बावड़ी परिसर में बावड़ी महोत्सव मनाया गया, जहां पर जल शक्ति पुरस्कार से सम्मानित वॉटर हीरो श्री नीरज वानखेड़े ने जल संरक्षण के लिये मध्यप्रदेश शासन एवं जन अभियान परिषद द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना की एवं उपस्थित जनों को जल संरक्षण के लिये उपाय बताकर जागरूक किया। विकासखंड समन्वय श्री दिलीप आठनेर ने मध्यप्रदेश शासन एवं जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में प्राचीन जल स्रोतों के संवर्धन के लिये किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। जिला पंचायत सदस्या श्रीमती सुनंदाताई डोंगरे ने जल संरक्षण के लिये प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की बात कही। इस अवसर पर प्राचीन बावड़ी पर श्रमदान किया गया, जिसमें सरपंच श्री दीपक खवसे, जनपद सदस्य श्री गौरीशंकर देशमुख, उपसरपंच श्री किशोर उईके तथा उपस्थित जनों ने मिलकर कार्य किया । इस कार्यक्रम में जल स्रोतों में बावड़ी का महत्व विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचीन बावड़ी को कैसे संरक्षित किया जाए इस पर सभी ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही सभी ने जल स्त्रोतों को बचाने व जल का संरक्षण, संवर्धन करने के लिये शपथ ग्रहण की। इसमें मुख्य रूप से श्री योगिराज डोबले, श्री गोवर्धन पराड़कर, परामर्शदाता श्रीमती वर्षा खुरसंगे, श्री सतीश सेंबेकर, पंचायत सचिव श्री पवन चौरे, रोजगार सहायक श्री अर्जुन पराड़कर तथा ग्रामवासी व नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मिशन कर्मयोगी में नगरीय प्रशासन एवं विकास के 43 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी पंजीकृत

छिन्दवाड़ा। प्रदेश में राष्ट्रीय मिशन कर्मयोगी की अवधारणा और कार्य-प्रणाली को ध्यान में रखकर राज्य सरकार ने क्षमता निर्माण नीति तैयार की है। इस नीति में प्रत्येक विभाग के बजट में मिशन कर्मयोगी के लिये बजट का एक प्रतिशत आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था से कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिये आवश्यक संसाधन सुनिश्चित हो रहे हैं। यह व्यवस्था संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास में भी लागू की गयी है। मिशन कर्मयोगी डिजिटल पोर्टल पर अब तक 43 हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को पंजीकृत किया जा चुका है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 70 प्रतिशत है। संचालनालय के 8816 प्रतिभागी पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हैं, जिनमें से 6843 अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया जा चुका है। विभाग द्वारा विशेषज्ञों के माध्यम से 4 ई-लर्निंग मॉड्यूल निर्मित किये गये हैं। इनमें आश्रय-स्थल प्रबंधन, स्व-सहायता समूह गठन एवं प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शामिल हैं। प्रदेश की क्षमता निर्माण नीति मिशन कर्मयोगी के आदर्शों पर आधारित एक ठोस एवं दायित्वपूर्ण रणनीति है। इससे राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की कौशल और नेतृत्व क्षमता लगातार बढ़ेगी। राज्य सरकार की यह पहल केन्द्र सरकार की नीति से मेल खाती है। प्रशिक्षित प्रशासन तंत्र से सक्षम उत्तरदायी सुशासन व्यवस्था को साकार किया जा रहा है।

प्रमुख संक्षिप्त

प्रकरण के बारे में जानकारी देने वालो को 30 हजार रूपये का ईनाम दिया जाएगा

उमरिया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाली जिला उमरिया (म.प्र.) में थाना पाली के अपराध क्रमाँक 290/2025 धारा 103 (1), 332(I),307,115 (2) बी एन एस पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल अनुराग शर्मा के द्वारा उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेन्ज सविता सुहाने, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाली , थाना प्रभारी थाना पाली, चौकी प्रभारी घुनघुटी की उपस्थिति में ग्राम अमिलिहा में हुई मृतक शिवदयाल शुक्ला की हत्या में संलिप्त अज्ञात आरोपियों की पता तलाश के संबंध में बैठक ली गई । जिसमें पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल एवं उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेन्ज के द्वारा प्रकरण की अग्रिम विवेचना एवं अज्ञात आरोपियों की पता तलाश करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । ग्राम अमिलिहा में हुई हत्या के संबंध में एस.डी.ओ.पी. पाली के नेतृत्व में 7 सदस्यीय टीम बनाने के निर्देश दिये हैं। प्रकरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले को 30,000 रुपये ईनाम की भी उदघोषणा की ।

लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर युवक की हत्या

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के नौगांव से 2 किलोमीटर दूर पर स्थित ग्राम बिलहरी में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के पास लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर हत्या कर दी जांघ में गोली लगने से घायल शख्स को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव लाया गया नौगांव से छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां से ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया गया घटना की सूचना पाकर नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी घायल व्यक्ति पंकज प्रजापति ग्राम कुम्हारटोली निवासी को छतरपुर से ग्वालियर रेफर कर दिया था ग्वालियर लेजाते वक्त रास्ते में मौत हो गई एडिशनल एसपी विदिता डागर के मुताबिक हत्या की वारदात के बाद फरार हुए अभियुक्तों की संभावित ठिकानों पर सर गर्मी के साथ तलाश की जा रही है बहुत जल्द आरोपी कानून की गिरफ्त में होंगे। गोली की आवाज से ग्राम बिलहरी में दहशत का माहौल निर्मित हो गया परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रवीण पटेरिया ने अपने भाई नवीन पटेरिया और रामस्वरूप पटेरिया तीनों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया हत्या के बाद बिलहरी गांव में तनाव का माहौल है।

सारबहरा क्षेत्र से हो रहा अवैध रूप से पत्थरों की सप्लाई

पेंड्रा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पेंड्रा- गेवरा के लिए रेल प्रोजेक्ट का कार्य बीते 2 वर्षों से चल रहा है। रेल प्रोजेक्ट निर्माण कार्य से भारी मात्रा में चट्टान निकले हैं जिन्हें प्रोजेक्ट की समीप ही संग्रहण किया गया है लेकिन देखा जा रहा है कि आसपास के लोगों द्वारा बड़े-बड़े चट्टान को तोड़ते हुए हैंड ब्रोकन बनाकर महंगे मूल्य में सप्लाई की जा रही है किंतु इस संबंध में ना ही राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है और ना ही खनिज विभाग जीपीएम द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही पत्थर के तस्करों के खिलाफ की जा रही है। बताया जाता है कि जीपीएम जिले के सारबहरा ग्राम पंचायत के क्षेत्र में भारी मात्रा में पत्थरों का संग्रहण किया गया है जिसे मजदूर लगाकर आसपास के ग्रामीणों द्वारा हैंड ब्रोकन बनाकर सप्लाई की जा रही है जिससे शासन को मिलने वाले राजस्व की हानि हो रही है।

इनका कहना है-

खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है और तस्करी में लगे ट्रैक्टर को थाने भी ले जाया गया है और फाइन किया गया है।

-जिला खनिज अधिकारी
जिला जीपीएम

चौरई के शासकीय कॉलेज में स्नातकोत्तर (एमए व एमएससी) कक्षाएं प्रारंभ करने पूर्व विधायक पं रमेश दुबे ने लिखा पत्र

विद्यार्थियों की मांग पर पत्र लिखकर कक्षाएं शुरू करने का आग्रह

चौरई । नगर में संचालित शासकीय कॉलेज के छात्र छात्राओं ने पूर्व विधायक पं रमेश दुबे से भेंट उपरांत पत्र सौंपकर शासकीय कॉलेज में स्नातकोत्तर एम ए व एमएससी की कक्षाएं प्रारंभ करने की मांग रखी थी जिसके बाद पूर्व विधायक पं रमेश दुबे ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार प्रभारी मंत्री राकेश सिंह व सांसद विवेक बंटी साहू को पत्र लिखकर चौरई कालेज में जल्द से जल्द एमए और एमएससी की कक्षाएं शुरू करने का आग्रह किया है उन्होंने बताया कि नगर चौरई में वर्षों की मांग पश्चात शासकीय कॉलेज के साथ ही स्नातक स्तर की कक्षाएं प्रारंभ किये जाने हेतु तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वीकृति प्रदान कर क्षेत्रवासियों को सौगात दी गई थी साथ ही कालेज भवन की सौगात भी मिली वर्तमान में कॉलेज की दर्ज संख्या 723 है जिसमें स्नातक (बीए व बीएससी) स्तर तक की ही कक्षाएं संचालित है स्नातक उत्तीर्ण होने के पश्चात स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण हेतु छात्र छात्राओं को जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा या सिवनी तक आवागमन करना पड़ता है जिसमे समय के साथ आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है गरीब छात्र छात्राएं स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण से वंचित हो रहे हैं यहां स्नातकोत्तर कक्षाएं शुरू होने से सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिल सकेगा ।पूर्व विधायक दुबे ने उक्त पत्र के माध्यम से चौरई के शासकीय कालेज में जल्द से जल्द एमए, एमएससी की कक्षाएं प्रारंभ करने की मांग रखी है ।

कलेक्टर ने जारी की प्रवाचकों की स्थानांतरण सूची, 3 वर्ष के ज्यादा समय से एक सीट में थे पदस्थ स्थानांतरित प्रवाचक

सीधी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीधी स्वरोचिष सोमवंशी ने उच्च न्यायालय मुख्य पीठ जबलपुर के आदेश एवं राजस्व मंडल मप्र ग्वालियर के निर्देश पर सीधी जिले के राजस्व न्यायालयों में एक ही पीठासीन अधिकारी के न्यायालय में 3 वर्ष से अधिक समयावधि से पदस्थ 30 प्रवाचकों को स्थानांतरित किया है। स्थानांतरित लिपिकों में लक्ष्मीकांत शर्मा सहायक प्रवाचक अपर कमिश्नर लिंक कोर्ट सीधी से प्रवाचक अपर कलेक्टर, राहुल गोयल सहायक प्रवाचक कलेक्टर से प्रवाचक नजूल कलेक्टर, कौशलेश सिंह प्रवाचक अपर कलेक्टर से सहायक प्रवाचक अपर कमिश्नर लिंक कोर्ट सीधी, गुरुबचन सिंह सहायक प्रवाचक अपर कलेक्टर से प्रवाचक आरडीएम, अश्वनी सिंह प्रवाचक आरडीएम से प्रवाचक उपखंड अधिकारी गोपद बनास, संजीव कुमार तिवारी प्रवाचक उपखंड अधिकारी गोपद बनास से सहायक प्रवाचक अपर कलेक्टर, सतेन्द्र कुमार वर्मा दाण्डिक प्रवाचक उपखंड अधिकारी गोपद बनास से प्रवाचक तहसील गोपद बनास गिर्द प्रथम, लक्ष्मीकांत यादव प्रवाचक तहसील गोपद बनास गिर्द प्रथम से प्रवाचक तहसील गोपद बनास सेमरिया, रमेश कुमार मिश्रा प्रवाचक तहसील गोपद बनास गिर्द द्वितीय से निर्वाचन एवं नजारत तहसील गोपद बनास जिला सीधी, रामाधार सिंह प्रवाचक तहसील गोपद बनास सेमरिया से प्रवाचक तहसील गोपद बनास गिर्द द्वितीय, बृजेश कुमार पाण्डेय प्रवाचक दाण्डिक तहसील गोपद बनास से प्रवाचक नजूल तहसील गोपद बनास, श्यामलाल केवट नजूल प्रवाचक तहसील गोपद बनास से प्रवाचक दाण्डिक तहसील गोपद बनास, रूपेश कुमार वर्मा प्रवाचक उपखंड अधिकारी मझौली से प्रवाचक तहसील मझौली, महेंद्र कुमार दुबे प्रवाचक तहसील कार्यालय मझौली से प्रवाचक तहसील मड़वास, चंद्रबली सिंह प्रवाचक तहसील कार्यालय मझौली वृत्त जोवा से प्रवाचक नायब न्यायालय तहसील मझौली, रोहित मांझी प्रवाचक नायब मझौली से प्रवाचक तहसील मझौली वृत्त जोवा, भूपेंद्र सिंह प्रवाचक तहसील रामपुर नैकिन वृत्त रामपुर नैकिन से प्रवाचक उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन, जयराम मेडा प्रवाचक उपखंड रामपुर नैकिन से सहायक प्रवाचक कलेक्टर, केदार प्रसाद साकेत प्रवाचक दाण्डिक उपखंड अधिकारी चुरहट से प्रवाचक तहसील चुरहट, वीरेंद्र कुमार शुक्ला प्रवाचक उपखंड अधिकारी चुरहट से प्रवाचक दाण्डिक तहसील चुरहट, रंजीत मार्को प्रवाचक तहसील कार्यालय चुरहट से प्रवाचक नायब न्यायालय तहसील चुरहट, आशीष सिंह प्रवाचक नायब तहसील कार्यालय चुरहट से प्रवाचक उपखंड अधिकारी चुरहट, कृष्णपाल सिंह प्रवाचक तहसील कार्यालय कुसमी से प्रवाचक उपखंड अधिकारी कुसमी, राजकुमार दाहिया प्रवाचक तहसील कार्यालय कुसमी से प्रवाचक तहसील कुसमी वृत्त भुईमांड, रिषभदेव त्रिपाठी प्रवाचक उपखंड अधिकारी कुसमी से प्रवाचक तहसील कुसमी, अर्जुन सिंह प्रवाचक तहसील कुसमी से प्रवाचक तहसील कुसमी वृत्त पोड़ी, पुष्पेंद्र कुमार गुप्ता प्रवाचक नायब तहसील सिहावल से प्रवाचक तहसील बहरी, दीपेंद्र सिंह चौहान प्रवाचक तहसील कार्यालय बहरी से प्रवाचक तहसील सिहावल वृत्त पहाड़ी, शिव बहादुर सिंह प्रवाचक तहसील कार्यालय मड़वास से प्रवाचक उपखंड अधिकारी मझौली एवं लल्लाराम तिवारी कार्यालय कलेक्टर सीधी से प्रवाचक दाण्डिक उपखंड अधिकारी गोपद बनास शामिल हैं।

विश्वविद्यालय से पेंड्रा रोड पहुंच मार्ग में मप्र.सीमा तक सड़क के असंख्य गड्ढे- दुर्घटना को कर रहे आमंत्रित

पेंड्रा

राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय पोड़की जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश में विश्वविद्यालय पहुंच मार्ग अत्यंत जर्जर व गड्ढों से भरा हुआ है। उस मार्ग से विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले हजारों छात्र प्रतिदिन यात्रा करते हैं और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी हजारों की संख्या में प्रतिदिन पेंड्रा रोड तक की यात्रा करते हैं। उस सड़क में मध्य प्रदेश की सीमा रेखा से लेकर विश्वविद्यालय तक लगभग 5 किलोमीटर में बड़े-बड़े भयानक गड्ढे सड़क पर बन चुके हैं, जिसके कारण आए दिनों दुर्घटना होती है ,और दुर्घटना की संभावना भी पर्याप्त बनी हुई रहती है ।गड्ढा मुक्त सड़क रखने का कई बार निर्देश माननीय उच्च न्यायालय ने भी सरकारों को दिया है ,परंतु लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को सड़क में गड्ढे क्यों नहीं दिखते हैं यह तो विभाग के अधिकारी ही बता सकते हैं। किंतु विभाग के उपन्यत्री व एसडीओ की जवाबदारी बनती है कि यदि निरंतर आवा गमन और यातायात के लिए सड़क में गड्ढे हैं तो उन सड़कों के गड्ढों को समय समय पर भरकर मरम्मत करे। यदि नया नहीं बनवाया जा सकता तो कम से कम गड्ढों को भरने की कार्रवाई करनी चाहिए ।करीब तीन चार माह पूर्व पेंड्रा रोड के लोक निर्माण विभाग ने अपने हिस्से की सड़क के गड्ढे को भरने की व सड़क मरम्मत की कार्यवाही किया था। परंतु आगे 5 किलोमीटर विश्वविद्यालय पहुंच मार्ग क्योंकि मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के लोक निर्माण विभाग क्षेत्राधिकार में आता है,अतः उस 5 किलोमीटर मार्ग में रिपेयरिंग की कार्यवाही नहीं हुई।उस पांच किलोमीटर में इस समय सैकड़ो की संख्या में दुर्घटना को आमंत्रित करते हुए बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं ।

डिवाइडर न होने से हादसे की आशंका बढौरा-कुबरी पहुंच मार्ग में डिवाइडर की मांग

सीधी। नवनिर्मित प्रधानमंत्री सडक़ योजना के तहत बढौरा से लेकर पहाड़ी होते हुए कुबरी तक सडक़ बनाई गई है, लेकिन अब इस सडक़ पर डिवाइडर लगाने की मांग उठने लगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पहाड़ पर स्थित मोड़ इतने खतरनाक हैं कि बिना डिवाइडर के किसी दिन बड़ी घटना हो सकती है। बढौरा-कुबरी सडक़ पर डिवाइडर लगाने की मांग क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही है। पहाड़ पर स्थित मोड़ इतने खतरनाक हैं कि बिना डिवाइडर के किसी दिन बड़ी घटना हो सकती है। इसलिए डिवाइडर लगाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गाड़ी चालकों के लिए एक सुरक्षा प्रदान हो सके और बड़ी घटनाओं को रोका जा सके।

बीरबल लोककला महोत्सव का आयोजन 15 जून को

सीधी।

अकबर के नवरत्नों में शुमार एवं मां चण्डिका के अनन्य भक्त उपासक बीरबल की जन्मस्थली घोघरा में माँ चण्डिका देवी मन्दिर परिसर में लोक कला महोत्सव एवं कवि सम्मेलन का आयोजन 15 जून दिन रविवार को किया जा रहा है जिसमें सुप्रसिद्ध लोक गायक एवं कवियों के लोकगीत, भजन, हास्य, व्यंग, ओज विधा के माध्यम से सुमधुर गीतों की होंगी प्रस्तुति। कार्यक्रम के आयोजक अरुणेन्द्र सिंह चौहान नें बताया कि श्री अवध सदभावना समिति द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बीरबल की जन्मस्थली घोघरा माँ चण्डिका देवी मन्दिर परिसर में आयोजित किया जा रहा है जिसमें विन्ध्य क्षेत्र के नामचीन लोकगायक नरेन्द्र बहादुर सिंह, अरविन्द पटेल लोकदल, सुश्री मनीषा द्विवेदी, सुश्री किरण पटेल लोकगायिका एवं क्षेत्रीय कलाकार साथियों के सुमधुर लोकगीत एवं भजन की प्रस्तुति दिनांक 15 जून दिन रविवार दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की जाएगी एवं सायं 5 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर एवं विंध्य क्षेत्र के नामचीन कवियों में बघेली हास्य के बादशाह रामलखन सिंह बाघेल महगना, बृजेश सिंह सरल हास्य रीवा, अमित शुक्ला मंच संचालक एवं हास्य व्यंग कवि रीवा, उमेश लखन व्यंग्यकार तीन पांच फेम रीवा, अतुल उपाध्याय पटवारी गीतकार सीधी, सुश्री स्नेहा त्रिपाठी कवयित्री रीवा, हर्ष पाण्डेय गीत गजल सीधी, गणेश विश्वकर्मा क्षेत्रिय कवि, कार्तिकानन्द सोनी सीधी एवं अन्य क्षेत्रिय कवियों की प्रस्तुति होगी, जिसमें हास्य, व्यंग, गीत गजल एवं ओज की विधा शामिल हैं। कार्यक्रम में सहयोगी साथी अम्ब्रीश कुमार सिंह, सुरेश कुशवाहा, रोशन सिंह शिब्बू, भरत सिंह, सन्तोष कुमार पटेल, रोहित सिंह, प्रवीण कुशवाहा, सुनील सिंह, रजनीश सोनी, धनेश सोनी, राजकुमार गुप्ता, रजनीश सिंह, रिंकू पटेल, अम्बिकेश पटेल, साबिर हुसैन अंसारी, अंकित गुप्ता, बृजेश गुप्ता, मोहित गुप्ता एवं आयोजक गण द्वारा उक्त कार्यक्रम में जिलेवासियों से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम का आनन्द लेने की अपील की गई है।

चुराई गई 28 बाइक बरामद

छतरपुर। पेशेवर मुजरिमों के ख़िलाफ़ छतरपुर एसपी अगम जैन द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत छतरपुर ज़िले के कोतवाली पुलिस को एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह को गिरफ्त में लेकर चोरी की 28 मोटरसाइकिल बरामद करने में क़ामयाब मिली । सिटी कोतवाली टीआई अरविंद सिंह दांगी के नेतृत्व मे मुखबिर की सूचना पर तमाम जगहों पर छापे मारकर अलग अलग स्थानों पर चोरी की बाइकें बरामद कर चोरी के आरोपियों को बंदी बनाया है ।सिटी कोतवाली टीआई अरविंद सिंह दांगी ने बताया पकड़े गए 4 आरोपी बकस्वाहा और एक शाहग का रहने वाला है । उन्होंने संभावना जतायी की चोरी के तीसरे आरोपी के पकड़े जाने के बाद न सिर्फ़ चोरी एवं अन्य आपराधिक वारदातों का खुलासा हो सकता है ।एडिशनल एसपी विदिता डागर ने बताया कि छतरपुर ज़िले के अलावा आरोपियों ने टीकमगढ़ ,दमोह ,यूपी के ललितपुर ज़िलों में भी चुराई गई अन्य मोटरसाइकिलें बरामद करने का प्रयास करेगी । एसपी अगम जैन के निर्देशन में पुलिस टीमों द्वारा पकड़े गए आरोपियों के नाम नीरज मणि उर्फ़ हल्के अहिरवार ,विष्णु सैन ,आदित्य सिंह परिहार उर्फ़ बॉबी राजा तथा 1 नाबालिग आरोपी है । चोर गिरोह के एक सदस्य इंद्रजीत उर्फ़ बिंदु की तलाश है । वह सागर ज़िले के सागर का रहने वाला है।

खास ग्राम पंचायत तेंदुआ के पोर्टल में लग रहे धुंधले बिल और हो रहे है भुगतान

ग्राम पंचायतों में सचिव ,संरपच लगा रहे फर्जी बिल! धुंधले बिलों के जरिए किया जा रहा भ्रष्टाचारँ

सरकारी पोर्टल में खुलके किया जा रहा भ्रष्टाचार

गौरतलब यह है कि जिन सरकारी पोर्टल को पारदर्शिता के मंशा से बना गया था आज उन्हें सरकारी पोर्टल में खुलके भ्रष्टाचार किया जा रहा है, फर्जी बिल लगा रहे है ऐसे-ऐसे बिल लग रहे है कि सीमेंट के दुकान से स्टेशनरी खरीदी जा रही है और किराना दुकान से रेत लोहा खरीदने के बिल पोर्टल में लग रहे और भुगतान हो रहे, आज कोई इन बिलों की रेख-देख नही कि जा रही और इन फर्जी बिलों से बेजा फर्जी भुगतान लिया जा रहा है कुछ बिल ऐसा भी है जो पोर्टल में बिल लगे है वह पढने भी नहीं जा सकते है। धुंधले बिलों के जरिए लाखों रू का फर्जी भुगतान किया जा रहा है।

सीधी।

जिला सीधी में आज भ्रष्टाचार गबन चरम सीमा में पहुँच चुका है। वही जिन्हें भ्रष्टाचार रोकने की जबाबदारी दी गई है वह भी पैसो की चमक के आगे नतमस्तक हो चुके है जिसे देखकर लगता है कि जिम्मेदारों के द्वारा भ्रष्टाचार गबन करने की आजादी दे दी गई है। एक ओर प्रदेश की सरकार चाह रही है कि सब कुछ पारदर्शिता हो जो हो रहा वह ऑनलाईन और पोर्टल के जरिये सब देख सके कि क्या कार्य हुए, कितना कार्य हुआ, बिल किसका लगा, कौन सही या गलत, सब दिखाई पड़े की सही गलत क्या हैं। लेकिन धुंधले बिलों को पोर्टल में लग कर फर्जी बिलों का भुगतान करा रहे है।

बता दे कि यही हाल जिले के जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत तेंदुआ सहित अन्य ग्राम पंचायतों का है। जहाँ पर फर्जी बिल लगाकर भुगतान किया जा रहा जिसकी समय-समय पर शिकायतें होती भी है पर उन शिकायत की फाइल धूल खाती रहती है।जनपद पंचायत अंतर्गत सीधी आने वाली पंचायतों में धुंधले बिलों को पोर्टल पर अपलोड करना आम बात हो गई है। पंचायत सचिव के द्वारा हजारों बिलों को धुंधला कर के अपलोड कर आम जनता को भ्रमित किया जा रहा है, परंतु जनपद प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। भ्रष्टाचार छिपाने का प्रयास आखिर कब तक जिले की जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत पंचायतों में ÷पंचायत दर्पण÷ में लगे बिल को पूरी तरह धुंधला कर दिया गया है या फिर सीमेंट के दुकान से स्टेशनरी खरीदी का फर्जी बिल या खरीदे गए समान के दुगने बिल का भुगतान कराया जा रहा है। पंचायत दर्पण में लगे बिलों देखाकर साफ अनुमान लगा सकता है कि सचिव जानबूझ कर धुंधला बिल लगाते है जिससे किस फर्म में किस सामग्री का बिल लगा है पता न चल पाये। सूत्रों की माने तो ग्रामवासी अगर सचिव से पूछते हैं कि किस सामग्री का बिल लगा है तो सचिव जवाब देते है नेट से निकाल लीजिये, जब पंचायत दर्पण पर लोग बाग देखने पहुंचते है तो वहां बिल ही धुंधला मिलता है, कुल मिलाकर भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए यह खेल खेला जाता है।

संक्षिप्त समाचार

भमोडी में आभा, आयुष्मान, पैनकार्ड बांटे

परासिया। ग्राम पंचायत भमोड़ी में सोमवार को निशुल्क आभा, आयुष्मान, पैनकार्ड का वितरण किया गया। सरपंच विपिन श्रीवास्तव के आग्रह पर एनजीओ के शोएब खान द्वारा 12 दिनों तक ग्राम पंचायत में 141 आभा कार्ड, 40 आयुष्मान, 60 पेन कार्ड नि:शुल्क बनाये गए। जिसमे गम्भीर रूप से बीमार अथवा अशक्त लोगो के कार्ड उनके घर जाकर बनाये गए। 9 जून को कार्डो का वितरण किया गया। सोएब खान द्वारा भमोड़ी के नागरिकों को निशुल्क सेवा प्रदान करने पर सरपंच विपिन श्रीवास्तव, सचिव राजेश सेंगर द्वारा सम्मानित कर उपहार भेट किया गया।'

उमरेठ के पटपडा में मेड के विवाद में महिलाओं पर किया हमला

परासिया। उमरेठ के पटपडा में सोमवार को खेत में मेड तोडने के लिए हुए विवाद में पडौसी खेत के मालिक रिश्तेदार ने महिलाओं पर फावडे से हमला कर दिया। घटना में दो महिलाएं घायल हुई है। घायल महिलाओं को पीठ हाथ में गंभीर चोटे आई है। पुलिस ने सोमवार को चार बजे महिलाओं का मुलाहजा कराया। उमरेठ के पटपडा निवासी महिला सुशीला यदुवंशी ने बताया कि उनके खेत के बगल में रिश्तेदार का खेत है। आज उनका रिश्तेदार जिसे जब्बार कहते है वह मेड तोड रहा था। उसे मना किया गया। मना करने पर वह फावडा लेकर आ गया। फावडे से उसने दो महिलाओं पर फावडे से हमला कर दिया। देवकी को पीठ और हाथ में चोट आई। सुशीलाको हाथ में और पीठ में बंधी चोट आई। अस्पताल में इनका मुलाहजा किया गया। महिलाओं ने बताया कि बेरहमी से उनकी पिटाई की गई। कई लोग एक साथ हमला करने आए थे।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

रायसेन। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आज अमोघ होटल में आयोजित होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता सय्यद जावेद अहमद ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आज प्रात: 11:00 बजे सांची रोड पर स्थित अमोघ होटल में आयोजित की जाएगी।

नशामुक्त अभियान के संबंध में बैठक आयोजित

रायसेन। जिले में 01 से 26 जून तक चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के संबंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने जिले में नशामुक्ति हेतु जनजागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं, आमजन को अवगत कराते हुए नशामुक्ति के लिए प्रेरित करें। बैठक में अधिकारियों द्वारा अपने देश को, जिले को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने की शपथ भी ली गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर्स, उप संचालक सामाजिक न्याय मनोज बाथम सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

4 करोड़ की जमीन बचाने बदली सरकारी अस्पताल के निर्माण की जगह

सोनापीपरी में लीपा पोती करने पहुंचे राजस्व के अफ़सर

परासिया। सोना पिपरी में सरकारी अस्पताल के निर्माण की जगह बदलने का मामला तूल पकड़ते जा रहा है सरकारी जमीन पर बन रहे अस्पताल की भूमि को उमरेठ के राजस्व अधिकारियों ने बदल दिया। शिकायत के बाद अब इस मामले में सोमवार को 12 बजे राजस्व अधिकारियों की टीम पंचनामा बनाने पहुंची । शासकीय जमीन का पंचनामा बनाकर पंचायत को दिया गया है।

पूरे मामले की लीपापोती करने वाला पंचनामा राजस्व अधिकारियों ने बनाया है। राजस्व अधिकारियों ने पंचनामे में विवादित जमीन को लेकर कोई उल्लेख नहीं किया । आसपास की सरकारी जमीनों के हुलिए कों कोई उल्लेख नहीं हुआ और जिस जगह का पंचनामा बनाया गया है उसकी भी सीमाओं का वर्णन नहीं किया गया। इस पूरे मामले में उमरेठ के राजस्व अधिकारी संदेह के दायरे में है । सड़क किनारे बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र को आखिर क्यों रिधोरा मार्ग पर ट्रांसफर किया गया । इसका जवाब किसी के पास नहीं है ।लेकिन गांव के नागरिक बताते हैं चार करोड रुपए की जमीन का फ्रंट बचाने के चक्कर में लेनदेन कर आनन फानन में अस्पताल निर्माण की जगह को बदल दिया गया । सोनापीपरी मे अपनी तरह का यह अनोखा मामला सामने आया। खास बात यह है कि जिस जगह सांसद ने भूमि

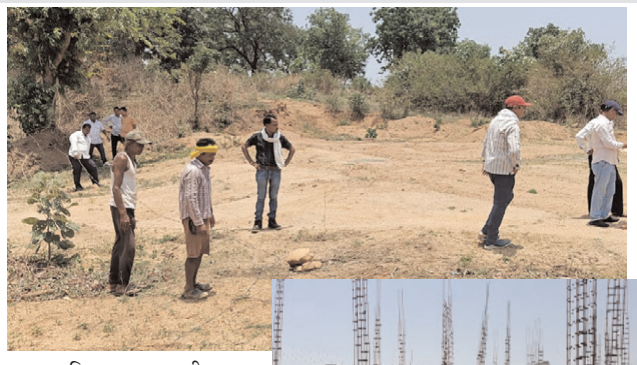

पूजन किया था उसी जगह अस्पताल न बनाकर अन्य कहीं अस्पताल के लिए जमीन देकर निर्माण भी चालू कर दिया गया । सोनापीपरी में स्कूल के सामने शासकीय जमीन का रकबा है। इससे लगी कुछ और जमीन है । इस जमीन को बेचने की तैयारी थी । बताया जा रहा है कि अहसतांतरणीय कैफियत वाली इस जमीन को बेचने के लिए रोड से लगे फ्रंट को आधार बनाया गया था । इस फ्रंट पर सांसद ने नए अस्पताल निर्माण के लिए भूमि पूजन कर दिया। इसके बाद जगह बदलने की कवायद शुरू हुई। उमरेठ के राजस्व के अधिकारी सैट कर जगह बदल दी गई। जब लोग आपत्ति लेने पहुंचे तो उमरेठ के राजस्व के अधिकारियों पर उन्हें धमकाने के आरोप भी लगे। जगह बदलने को लेकर पंचायत ने आपत्ति लगाई लेकिन उमरेठ के राजस्व अधिकारियों पटवारी और आरई ने एक नहीं सुनी ।इस पूरे मामले में राजस्व अधिकारी संदेह के घेरे में है। लेकिन उनकी जांच अभी तक शुरू नहीं हुई है।

लीपापोती कर तैयार किया गया पंचनामा

उमरेठ के प्रभीर तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे , परासिया आरआई आर सिंगोर, उमरेठ आरआई सुशील चंद्रवंशी, पटवारी रामा टांडेकर, रज्जन मंडराह, प्रवीण सिंह ठाकुर ने सोमवार को पहुंचकर पंचनामा बनाया। ये पंचनामा लीपापोती के नमूने के तौर पर क्षेत्र में चर्चित हो रहा है ।इसमे पट्टे की भूमि के खसरे का उल्लेख नहीं किया गया। खसरा 1/1 रकबा 4 एकड़ 75 डेसीमिल जिसे लेवल किया गया उसके शासकीय या निजी होने का उल्लेख नही किया गया। ये जमीन यदि शासकीय है तो जिम्मेदारों के नाम नही लिखे।

किसके इंट्रेस्ट से राजस्व अधिकारियों ने बदली जमीन

उप स्वास्थ्य केंद्र शासकीय भूमि पर बन रहा था। इसके लिए भूमिपूजन किया गयां । फिर उमरेठ के राजस्व अधिकारियों ने जगह बदल दी। आखिर राजस्व अधिकारियों ने किसके इंट्रेरेस्ट पर किसके फायदे के लिए कैसे जमीन बदल दी। इसकी जांच और कार्रवाई नहीं की गई तो प्रशासन तंत्र पर से लोगों का भरोसा उठ जाएगा। एसडीएम पुष्पेंद्र निगम ने कहा कि सरकारी जमीन का बोर्ड लगाने के लिए तहसीलदार को कहा गया है। बारिश में इस जगह पर पौधारोपण किया जाएगा। पंचायत भी यहां कार्य करवा सकती है। सरकारी जमीन निजी हाथों में नहीं जाने देंगे।

डीईओ और जिला संयोजक को कलेक्टर का नोटिस,छात्रवृत्ति भुगतान में देरी पर कार्रवाई

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन। सोमवार को कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग में सुदामा प्री.मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के भुगतान में देरी पर जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक को नोटिस जारी किया। साथ ही अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक सीपी सोनी को भी कार्य में लापरवाही के लिए नोटिस दिया गया। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा के दौरान निराकरण के प्रतिशत और प्रदेश स्तर पर विभाग की रैंकिंग की जानकारी लेते हुए जल संसाधन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निराकरण प्रतिशत कम होने पर नाराजगी जाहिर शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र: समीक्षा बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की जानकारी ली गई। इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत विभाग के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, नलजल योजनाओं और आंगनवाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण की भी समीक्षा की। जिले में खाद की उपलब्धता की स्थिति का जायजा लिया गया।

जून में पड़ रही मई जैसी गर्मी लोग हो रहे बेहाल,तापमान पहुंचा 40 डिग्री पर

रायसेन। जून में पड़ रही मई जैसी गर्मी से लोग बेहाल हो रहे है। जिले में बारिश थमने के बाद से तीन दिन से फिर से तेज गर्मी ने शहर में कहर ढाना शुरू कर दिया। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे करीब 20 दिन बाद लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग खुद को गर्मी से बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। जिसके पहले मई माह में भी रुक-रुक कर बारिश होती रही थी। लेकिन अब बारिश रुकते ही फिर से गर्मी पडने लगी है। मौसम विभाग ने लू चलने की चेतावनी भी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून पिछले 11 दिन से महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा हुआ है। इस वजह से मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री में देरी हो रही है। अगले 2 से 3 दिन तक मानसून के प्रदेश में आने की संभावना कम है। अनुमान है कि मानसून 15 जून तक मध्य प्रदेश में प्रवेश कर सकता है।

नगर पालिका ने ऑक्सीजन पार्क किया बंद हटाए जाएंगे मधुमक्खी के छत्ते

उज्जैन और रायसेन किले की घटना के बाद नगर पालिका की खुली नींद

रायसेन। प्रदेश के उज्जैन में मधुमक्खी के हमले से जहां एएसआई की मौत हो गई वहीं रायसेन किले पर मानसिक रूप से विक्षिप्त एक की मधुमक्खी के हमले से मौत हो जाने के मामले के बाद नगर पालिका की नींद खुल गई है ओर रायसेन के सांची मार्ग पर स्थित ऑक्सीजन पार्क को अस्थाई तौर पर नगर पालिका द्वारा बंद किए जाने का निर्णय लिया है। रायसेन नगर में ऑक्सीजन पार्क परिसर में नगर पालिका की पानी की टंकी पर एक दर्जन से अधिक मधुमक्खी के छत्ते लगे हुए है। इस पार्क के शुभारंभ के दौरान ही नागरिकों ने आपत्ति ली थी कि मधुमक्खी के छत्ते नहीं हटाए गए है जिससे खतरा बना रहता है लेकिन नगर पालिका को पार्क के उद्घाटन की जल्दबाजी में खतरे को अनदेखा कर दिया गया और काफी संख्या में नागरिक भी

पार्क में पहुंच रहे थे। यह अच्छा हुआ कि मधुमक्खी के दौरान विफरी नहीं लेकिन रायसेन के किले पर एक मानसिक विक्षिप्त की मधुमक्खी के हमले से मौत के बाद नगर पालिका ने तत्काल ऑक्सीजन पार्क को बंद कर दिया है और राजस्व निरीक्षक राजू कांकर को मधुमक्खी के छत्ते हटवाए जाने के कार्य का प्रभारी बनाया गया है। अब नगर पालिका के कर्मचारी मधुमक्खी के छत्ते को हटाए जाने के लिए एक्सपर्ट को तलाश रहे है जिससे जल्द से जल्द मधुमक्खी के छत्ते को हटाया जा सके।

परवरिया माता मंदिर में पानी के पर्याप्त इंतजाम ना होने से श्रद्धालु परेशान

मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा नहीं दिया जा रहा ध्यान

रायसेन। ग्राम परवरिया माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे है वहीं मंदिर में प्रसादी का भोग लगाने के लिए कई श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर के आसपास ही बाटी बनाई जा रही है। लेकिन मंदिर में पीने के पानी के पर्याप्त इंतजाम ना होने की वजह से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और श्रद्धालुओं द्वारा शिकवा शिकायत किए जाने के बावजूद भी मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा पीने के लिए पानी के पर्याप्त इंतजाम की स्थाई और ना ही अस्थाई व्यवस्था की है जिसकी वजह से काफी परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है। मंदिर में मेला के दौरान अब तक पिछले 9 वर्ष से प्रताप सिंह द्वारा टैंकर मुहैया कराया जाता रहा है लेकिन इस बार किसी कारणवश टैंकर मुहैया नहीं कराए जाने से श्रद्धालुओं की समस्या दोगुनी बढ़ गई है। श्रद्धालुओं ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं मंदिर प्रबंधन समिति से मांग की है कि मंदिर परिसर के आसपास पीने के पानी के लिए कम से कम टैंकर की व्यवस्था कर दी जाए जिससे उन्हें परेशानी का सामना ना करना पड़े।

बडकुही में लिव इन में रह रही भाभी की देवर ने बेरहमी से की हत्या

रस्सी से गला घोंटा, पसलियां तोडी, कई हड्डियों को तोडकर फरार हुआ

परासिया। बडकुही मे मुख्य मार्ग पर टेक पर देवर ने अपनी भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी। तीन दिन पुराने शव को पुलिस ने जब्त कर पोस्टमार्टम कराया। सोमवार को एफएसएल अधिकारी भी पहुंची। परासिया मोक्षधाम में पांच बजे शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना के लिए जिम्मेदार माना जा रहा देवर फरार है। देवर भाभी के साथ लिव इन में रह रहा था।

मृतक ममता कठौते आदिवासी कोल जाति की थी। उसके पति का निधन हो चुका है। एक बेटी का विवाह कर दिया गया है। बेटा नागपुर में काम करता है। वह अपने देवर जुंगी के साथ रहती थी। मृतका की ननद भी वही रहती है। उसने रविवार शाम पुलिस को खबर दी। पुलिस ने छिंदवाडा में मृतक की बहन को खबर दी। पुलिस रविवार रात मौके पर पहुंची। घर के अंदर का नजारा लोमहर्षक था। पलंग पर महिला ममता कठौते का शव पडा था। उसका सिर बुरी तरह कुचला था। गले में फंदा लगाया गया था। पुलिस ने एफएसएल अधिकारियों को सूचना दी। एफएसएल टीम बडकुही मे सोमवार को अपराह्न पहुंची। टीम के जांच करने के बाद शव को चौकी प्रभारी अक्रजय धुर्वे परासिया पोस्टमार्टम के लिए लेकर आए। डा तैय्यबा ने शव का पोस्टमार्टम किया। मृतका के भाई संजय कठौते ने बताया कि ममता कठौते मृतका उनकी बहन है। वे छिंदा में रहते है। रविवार को वे साईट से लौटै थे। सोमवार को उन्हें काम पर वापस जाना था। आज पुलिस ने उन्हें फोन पर घटना की सूचना दी। उन्होंने जाकर देखा तो उनकी बहन को बेरहमी से मारा गया था। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच कर दोषियों को दंड मिलना चाहिए।

बहन को फोन कर बताया ममता अकड गई

देवर जुंगी ने छिंदवाडा में रह रही अपनी बहन को फोन कर कहा कि ममता अकड गई है। उसने बहन से बात भी की। इसके बाद बहन ने ममता के मायके पक्ष को खबर दी। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। ममता को इतनी बेरहमी से क्यों मारा गया। इसकी तलाश पुलिस कर रही है।

रायसेन स्वास्थ्य विभाग में हुआ बड़ा बदलाव लेकिन चुनौती बरकरार

सीएमएचओ और सिविल सर्जन ने संभाली बागड़ोर कर्मचारियों ने किया स्वागत

रायसेन। मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश खत्री का शासन द्वारा स्थानांतरण शाल्य क्रिया विशेषज्ञ के तौर पर जिला अस्पताल राजगढ़ कर दिए जाने के उपरांत सोमवार को जिले के लिए पुराने लेकिन स्वास्थ्य विभाग में सीएमएचओ की कुर्सी पर बैठने के लिए नए डॉ. हरि नारायण मांडरे ने जिल के स्वास्थ्य विभाग की बागड़ोर को अपने हाथ में ले लिया है। वहीं रायसेन जिला अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ.अनिल ओढ़ को मूल पद पर रवाना करते हुए जिला अस्पतला का सिविल सर्जन डॉ.यशपाल सिंह बाल्यान को बनाय गया जिन्होंने सोमवार को विधिवत जिला अस्पताल की बागड़ोर को अपने हाथ में लेने के साथ ही जिला अस्पताल में आरएमओ को फेरबदल कर दिया है। जिसमें आपसी सहमति बनाए जाने के उपरांत जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. प्रतीक शर्मा को मूल पद पर भेजते हुए जिला अस्पतला का आरएमओ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.लक्ष्मीकांत गुर्जर को बनाया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायसेन जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी और एसएनसीयू में 8 चिकित्सक होने के चलते जिला अस्पताल के काम काज प्रभावित ना हो इसके चलते आरएमओ डॉ.लक्ष्मीकांत गुर्जर को बनाया गया है।

स्वास्थ्य महकमे में चुनौति बरकरार

जिले के स्वास्थ्य महकमे को पिछले 5 वर्ष से संचालित कर रहे डॉ. दिनेश खत्री ने कई चुनौतियों का डटकर समाना किया और स्वास्थ्य महकमे की बागड़ोर 5

साल तक संभाली रखी इस दौरान देखा जाए तो सीएमएचओ डॉ.दिनेश खत्री पर सीधा आरोप तो नहीं लगा लेकिन महकमे के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से हुए एक घोटाले की वजह से उन्हें घेरने का प्रयास जरूर किया गया लेकिन बड़ी से बड़ी चुनौति का सामना करने में माहिर होने की वजह से उनके दामन पर सीधा दाग नहीं लग पाया। वहीं इन 5 साल में कम चिकित्सकों की संख्या जिले भर में होने के उपरांत जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दिए जाने के लिए प्रयास करते रहे। वहीं जिला अस्पताल की बात की जाए तो डॉ.अनिल ओढ़ ने भी जिला अस्पताल में सिविल सर्जन रहते हुए कई सुधार के कार्य किए और सिविल सर्जन कार्यालय के अलावा जिला अस्पताल के चिकित्सक व पैरा मेडिकल स्टॉफ से बेहतर समन्वय के साथ कम चिकित्सक संख्या होने के बावजूद भी बेहतर कार्य करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे।

हालाकि वरिष्ठ अधिकारियों की अपेक्षाओं को पूरा ना कर पाने की वजह से उन्हें सिविल सर्जन के पद से हाथ धोना पड़े ऐसा सूत्रों का मनाना है। वहीं अब जिला अस्पताल का सिविल सर्जन के रूप में डॉ.यशपाल सिंह बाल्यान अपनी सेवाएं देंगे जो स्वास्थ्य विभाग की नब्ज को अच्छे से जानते है।

जिले में चिकित्सकों की कमी

जिला मुख्यालय सहित जिले के सिविल अस्पताल एवं अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को देखे तो हर जगह चिकित्सकों की कमी बनी हुई है। सरकार द्वारा अस्पतालों की बड़ी बड़ी इमरात तो बना दी है लेकिन चिकित्सिकों की कमी को पूरा करना ऊंट के मुंह में जीरा के समान ही रहा है। जिसकी वजह से नागरिकों को जो स्वास्थ्य सेवाएं मिलना चाहिए उन्हें उन स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रहना पड़ता है। रायसेन जिले में जितने पद चिकित्सकों के स्वीकृत है उनके हिसाब से देखा जाए तो चिकित्सकों की काफी कमी बरकरार है जो की एक बड़ी चुनौति है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं बिना चिकित्सको के कैसे मुहैया कराई जाए। हालाकि शासन स्तर पर पिछले 2 दशक से सिर्फ पात्राचार ही होता आया है।

संपादकीय

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं। हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं-बस्तर (मुख्यालय- जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है। सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

भीड़ में फंसा प्रबंधन: जिम्मेदार कौन?

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत का जश्न जिस हर्षोल्लास से शुरू हुआ, वह कुछ ही पलों में भगदड़ और चीख-पुकार में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उमड़े लाखों समर्थकों का हुजूम एक बार फिर उस कटु यथार्थ को सामने ले आया जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं—भीड़ प्रबंधन में हमारी विफलता। घायल लोगों की चीखें, रुंधती सांसें और कुछ की थमती धड़कनें सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता की परछाई थीं, जो हर बार चेतावनी के बावजूद सचेत नहीं होती। सवाल वही पुराना है कि आखिर जिम्मेदार कौन? क्योंकि 'भीड़' एक ऐसा शब्द है जो सुनने में सामान्य लगता है, लेकिन जब यह नियंत्रण से बाहर हो जाए तो एक भयावह शक्ति बन जाती है। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का घनत्व हर क्षेत्र में साफ दिखता है, वहां हर बड़ा आयोजन, चाहे वह धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो या राजनीतिक, संभावित खतरे का पर्याय बन चुका है। मगर हैरानी इस बात की है कि हर बार, हर हादसे के बाद, हम एक जैसे सवाल पूछते हैं और फिर सबकुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है। कोई भी भीड़ अचानक नहीं बनती। वह किसी उद्देश्य, भावना या आस्था के तहत एकत्र होती है। परंतु त्रासदी तब जन्म लेती है जब उसे नियंत्रित करने वाली व्यवस्थाएं या तो लचर होती हैं या पूरी तरह अनुपस्थित। हमारे देश में ऐसे आयोजन जिनमें भीड़ की संभावना पहले से होती है, उनके लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती या बनाई भी जाती है तो उसका पालन नहीं होता। प्रशासकीय योजनाएं फाइलों में सिमट जाती हैं, और धरातल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार नहीं होते। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आयोजक खुद भीड़ को केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं लाखों लोग आए थे कहने की होड़ में वे यह भूल जाते हैं कि इन लाखों के पीछे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे न तो प्रवेश और निकासी के मार्गों की योजना बनाते हैं, न स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं और न ही किसी अनहोनी के लिए वैकल्पिक इंतज़ाम। वहीं प्रशासन कई बार या तो उदासीन बना रहता है या राजनीतिक दबाव में चुप्पी साध लेता है। आम नागरिक भी इस विफलता का हिस्सा हैं। वे आयोजन में भाग लेने को केवल एक सामूहिक उत्सव मानते हैं, जहां अनुशासन की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। भीड़ में एक अफवाह, एक धक्का या एक अधीरता सैकड़ों जानों के लिए खतरा बन सकती है, पर यह चेतना अधिकांश लोगों में नहीं होती। सामूहिक जिम्मेदारी की इस कमी ने भीड़ को एक जीवंत, लेकिन बेकाबू शक्ति बना दिया है। तकनीक के इस युग में कहने को तो हमारे पास तमाम साधन हैं स्मार्टफोन, ड्रोन, सीसीटीवी, डेटा एनालिसिस लेकिन इनका उपयोग आमजन की सुरक्षा में कम और वीआईपी प्रोटोकॉल में ज़्यादा होता है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जहां एक ओर हम अंतरिक्ष में कदम रख चुके हैं, वहीं अपने ही देश में एक मेला या सभा सुरक्षित नहीं बना पाए हैं? हर बार हादसे के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, कुछ नामों पर उंगलियाँ उठती हैं, फिर सब कुछ शांत हो जाता है। मृतकों की संख्या एक सरकारी आँकड़ा बन जाती है और उनके परिजन कुछ सहानुभूति भरे बयानों और मुआवज़े के चेक के साथ अकेले छोड़ दिए जाते हैं। कोई यह नहीं पूछता कि अगली बार ऐसा न हो, इसके लिए क्या बदला गया? भीड़ प्रबंधन सिर्फ प्रशासन का दायित्व नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक दायित्व है आयोजकों, पुलिस, नगर निकायों, स्वास्थ्य सेवाओं और सबसे बढ़कर, जनता की साझा जवाबदेही। जब तक हम इसे सिर्फ एक रूटीन या रस्म के तौर पर लेते रहेंगे, हादसे होते रहेंगे।

बांके बिहारी मंदिर में कोरिडोर पर एक नया विवाद

- संजय गोस्वामी

बांके बिहारी मंदिर कोरिडोर के निर्माण हेतु एक और विवाद गहराता जा रहा जिसे आपस में मिलजुल कर आपसी स्नेह से सुलझाने की कोशिश करना चाहिए उप्र सरकार के अनुसार बांके बिहारी मंदिर के पास करीब 5 एकड़ जमीन पर कॉरिडोर बनना का है. मंदिर तक जाने के लिए तीन रास्ते बनाए जाएंगे. श्रद्धालुओं को वाहन खड़ा करने में परेशानी न हो इसके लिए 37 हजार वर्गमीटर में पार्किंग बनाई जानी है. हालांकि कॉरिडोर इस तरह से बनाया जाना है, जिससे मंदिर का मूल स्वरूप पहले जैसा ही रहे.गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर उनकी निजी संपत्ति है. लेकिन रेवेन्यू डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, ऐसा नहीं है. इन दस्तावेजों में यह जमीन मंदिर के नाम से है ही नहीं बल्कि गोविंददेव के नाम से दर्ज है. कॉरिडोर बनाने के लिए मंदिर के पास 100 दुकानों और 300 घरों का अधिग्रहण किया जाना है. हालांकि सरकार इसके लिए उचित कॉरिडोर बनाए जाने से मंदिर और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक चरित्र के बदलने की आशंका है, जिसका गहरा ऐतिहासिक और भक्ति संबंधी महत्व है. बता दें कि देवेंद्र नाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी हरिदास गोस्वामी के वंशज हैं और उनका परिवार पिछले 500 सालें से मंदिर का प्रबंधन कर रहा है. अब क्या कर सकते है कोर्ट का निर्णय माने शांति से काम लें ईश्वर हमेशा आपके साथ हैं वह गुस्से में नहीं रहता जो होना होगा सो होगा उसे ना तो मैं रोक सकता हूँ ना ही क़ोई और जब से धर्म को व्यवसाय का साधन बनाने की कोशिश हुई है तब ईश्वर वहाँ से जा चुका होता है ईश्वर प्रभु राम है जिसे ना तो किसी प्रचार की आवश्यकता है ना हि दिखावे की उसे इंसानियत और शांति पसन्द है कभी गुस्सा या घमंड नहीं कुर्सी आती भी है और जाती भी है लेकिन भगवान राम जैसे पहले थे वैसे आज भी हैँ और कल भी रहेंगे कॉरिडोर का निर्माण हो या आलिशान मंदिर का जब तक गरीबों को सही न्याय नहीं मिलता तब तक ईश्वर वहाँ से दूर चला जाता है गरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है लेकिन आस्था के साथ ही पुजारी क़ोई चोर डाकू तो नहीं हैगरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है मैं पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में कम लोगों के आराम से पूजा करता था लेकिन कोरोडोर बनने के बाद जैसे तैसे लाईन तोड़ कर मंदिर में पूजा कर तुरंत भागा क्योंकि वहाँ चेस्ट पेन हुआ बाद में आराम से शांति से प्रभु राम का ध्यान किया उसके बाद डॉ से दिखाया कुछ नहीं था इसलिए ना तो महाकुम्भ गया क्योंकि ईश्वर मेरे अंदर है और बाहरी माया की दुनिया है जो क़ोई भी रा मंदिर के निर्माण कर यह कहे जो भगवान राम को लाएं है उसे हम लाएंगे, कैसे भगवान श्री राम को आप ला सकते हो जो मूर्ति है मंदिर है जो भगवान राम के साक्षी होने का प्रतिक वो तो पहले से अनादि काल से हैँ पहले भी थे आज भी हैँ और अनन्त काल तक रहेंगे भले ही आप रहो या ना रहो ईश्वर के प्रति सच्ची निष्ठा को उसको ही समर्पित कर राममंदिर भी प्रभु राम की कृपा से बना 500 साल के इतिहास को उलट कर देखिए कितनो ने उसके लिए बलिदान दिया और आज के समय कारसेवकों का श्रेय जाना चाहिए जो गोली खाकर भी कभी इस उद्देश्य से नहीं गए कि मेरा नाम होगा अत: पहले खुद को पहचनाने की जरुरत है गरीबों को सेवा करने की जरुरत है राममंदिर में राम रसोई के लिए राम भक्त स्व कुणाल किशोर, जो महावीर मंदिर के संस्थापक थे और पटना में पूर्व आईपीएस थे उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम डेली अन्न खिला रहें हैँ निहंग सिखों द्वारा लंगर चलता है उसने उसका क़ोई भी प्रचार नहीं किया गुरूद्वारे में लंगर का आयोजन होता है और सभी गुरुजी ने हमेशा कहा कि गरीबों की सेवा करो और कभी उसका श्रेय अपने उपर नहीं लिया और सब गुरु को समर्पित है और इसलिए वहाँ गुरु के कृपा की भजन होती है ना तो क़ोई वीआईपी जैसा ट्रीट होता है सभी एक साथ लाइन में रहते है उनका मानना है कि लाइन तोड़ने पर संगत टूटता है और उनके भजन में मैंने कई बार भगवान राम के महिमा का गुरु द्वारा पाठ में भजन सुना है रा मंदिर के निर्माण से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम् दस्तावेज 1858 में निहंग सिखों द्वारा एफ आईआर की कॉपी भी मिला जो निहंग सिखों ने दर्ज कराई थी 1858 में, निहंग सिखों ने राम जन्मभूमि के विवादित ढांचे पर पूजा-अर्चना की और राम-राम लिखा, जो राम मंदिर आंदोलन का एक शुरुआती कदम था। आज भी, निहंग सिख राम मंदिर में लंगर चलाकर और अन्य तरीकों से अपनी भागीदारी दिखाते हैं। बाबा फकीर सिंह खालसा के नेतृत्व में 25 निहंग सिखों ने 1858 में बाबरी मस्जिद में प्रवेश किया। उन्होंने हवन (अनुष्ठान) किया और मस्जिद की दीवारों पर राम राम लिखा। इस घटना के कारण अवध पुलि स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। इस घटना को बाद में राम जन्मभूमि मामले में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया गया। निहंगों का आस्था भगवान श्री राम पर था क्योंकि वो गुरू गोविन्द सिंह जी को भगवान श्री राम का रूप मानते हैँ जो कंगन घाट गुरूद्वारे में मिलेगा गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई0 को पटना में हुआ । इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय पटना सिटी में गुरुगोविन्द सिंह क़ो गुरु के रूप में लगभग सभी लोग ईश्वर का साक्षात रूप मानते हैं क्योंकि वहाँ जन्म हुआ सिर्फ ऐ बात नहीं बल्कि सेवा यानी लंगर का जो स्नेह गुरुजी से सबको सिखाया।

क्या मुमकिन है टूटे दलों का एकीकरण

राकेश अचल

महाराष्ट्र में शिवसेना के तीन धडों के एकीकरण की सुगबुगाहट के साथ ही ये मुद्दा भी गर्म होने लगा है कि क्या शिव सेना समेत देश के तमाम विखंडित राजनीतिक दलों का एकीकरण मुमकिन है? क्या एकीकरण का बिस्मिल्लाह शिव सेना से ही होगा ? शिवसेना नेता और बालासाहेब के पुराने भक्त गजानन कीर्तिकर ने शिवसेना के एकीकरण का सुर्रा तब छोडा जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की शिवसेनाओं के एकीकरण की सुगबगाहट तेज हुई. कीर्तिकर ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के जीवित रहते हुए भी राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे को एक करने की कोशिश हुई थी लेकिन शिवसेना का विभाजन हो गया. शिवसेना और मनसे के अलग-अलग होने से शिवसेना को नुकसान हुआ. अब समय है कि ये दोनों एक साथ आएं. ठाकरे नाम एक ब्रांड है, और वह ब्रांड बना रहना चाहिए. ऐसी इच्छा पुराने शिवसैनिकों की है. शिंदे गुट के नेता गजानन कीर्तिकर ने कहा, क्या ये दोनों (उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे) साथ आएंगे? यह नहीं मालूम, लेकिन सुना है कि दोनों ने कुछ शर्तें रखी हैं. उद्धव ठाकरे ने कहा है कि राज ठाकरे को महायुति (बीजेपी गठबंधन) छोड़ना चाहिए, तो वहीं राज ने कहा है कि उद्धव को कांग्रेस का साथ छोड़ना चाहिए. दोनों की बातें सही हैं गजानन कीर्तिकर ने लोकसभा चुनाव के दौरान एकनाथ शिंदे की शिवसेना के लिए प्रचार भी किया था और शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में दोबारा एंट्री ली थी. महाराष्ट्र में शिवसेना के तीन हिस्से हो गए है. एक शिवसेना उद्धव ठाकरे की है, दूसरी रज ठाकरे की है और तीसरी एकनाथ शिंदे की. उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), जो एमवीए के साथ है. एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की पार्टी एनसीपी है. एकनाथ शिंदे गुट की पार्टी शिवसेना जो महायुति के साथ है. इसमें बीजेपी, शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी है.तीसरी शिवसेना राज ठाकरे की है. उनकी

शिवसेना मनसे के नाम से जानी जाती है. शिवसेना पहले पारिवारिक विवाद के चलते टूटी थी बाद में भाजपा ने उद्धव ठाकरे की सेना को दो फांक कर दिया था. कीर्तिकर का दावा है कि एकनाथ शिंदे, शिवसेना प्रमुख बालासाहेब की विचारधारा को लेकर ही पार्टी से बाहर निकले थे—जैसे हिंदुत्व, आक्रमक शैली, राष्ट्रीयता और मराठी लोगों का सर्वांगीण विकास लेकिन बीजेपी के साथ होने की वजह से आगे बढ़ने में उन्हें कई अड़चनें आती हैं. दोनों (उद्धव-राज) की शर्तें सही हैं, क्योंकि ये बाधाएं हैं जो अखंड शिवसेना बनने से रोक रही हैं. जब तक ये दूर नहीं होतीं, तब तक मजबूत शिवसेना नहीं बन पाएगी. आपको याद होगा कि एनडीए में पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना थी, फिर उन्होंने साथ छोड़ा, और फिर एकनाथ शिंदे ने उसमें प्रवेश किया. दोनों बालासाहेब की विचारधारा को आगे ले जाने की बात करते हैं. लेकिन मतदाता और कार्यकर्ता बालासाहेब की शिवसेना को जानते हैं, न कि बीजेपी या कांग्रेस प्रेरित शिवसेना को. इसलिए अगर असली शिवसेना को फिर से स्थापित करना है, तो इन तीनों को (राज-उद्धव-शिंदे) अपने-अपने गठबंधन छोड़ने होंगे. गजानन कीर्तिकर ने ये भी कहा, बालासाहेब खुद चाहते थे कि राज और उद्धव एक हों. उन्हें इस विभाजन के खतरे की पहले से जानकारी थी. आज अगर राज और उद्धव एक होने का रुख ले रहे हैं, तो वह अच्छा संकेत है लेकिन अगर हम फिर से बालासाहेब की प्रचंड, प्रभावशाली शिवसेना देखना चाहते हैं, तो उसमें एकनाथ शिंदे को भी शामिल होना चाहिए. अगर राज, उद्धव और शिंदे तीनों एक साथ आते हैं, तभी एक मजबूत शिवसेना दिखाई देगी. ये जरूरत महाराष्ट्र और शिवसैनिकों की है. महाराष्ट्र में भाजपा ने केवल शिवसेना को ही नहीं तोड़ा बल्कि एनसीपी को भी तोडा. एक गुट शरद पंवार का है, दूसरा अजित पंवार का. एक गुट मविअ में है तो दूसरा एनडीए में.अब भाजपा ने शरद पंवार गुट को भी एनडीए में शामिल होने के लिए चारा डाला है. शरद पंवार भी भाजपा की ओर झुकते नजर आ रहे हैं. भाजपा के कारण मप्र में कांग्रेस टूट चुकी है. हरियाणा में भी ऐसी ही टूट जेजेपी में भी हुई. झारखंड में भाजपा ने झामुमो को तोडा. बिहार में भी इसी तरह की तोडफोड प्रादेशिक दलों में हुई. सबसे ज्यादा तोडफोड का सामना कांगेस ने किया, फिर समाजवादी दल का नंबर आता है. बंगाल में सत्तारूढ तृमूका कांग्रेस का ही उत्पाद है. अब सवाल ये है कि भाजपा की फूट डालो और राज करो की नीति के शिकार अनेक दल दोबारा एक होकर भाजपा से बदला लेंगे।

इस सवाल का जबाव हां भी हो सकता है और ना भी. लेकिन टूटे दलों का एकीकरण. टूटना आसान है और जुडना कठिन भी. लेकिन राजनीति भी क्रिकेट की तरह संभावनाओं का खेल है.

नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पृथ्वी पर विचलित 84 लाख योनियों की काया में यूं तो सभी अंग महत्वपूर्ण है,परंतु हर जीव की आंखें एक ऐसा कुदरत का दिया हुआ अनमोल गिफ्ट है, जिससे पूरी खूबसूरत दुनियाँ को सभी जीव देख सकते हैं, खास करके विशेष अद्भुत बुद्धिजीवी मानव योनि के लिए आंखें तो मानो एक खूबसूरत अद्भुत अंग है जिसके द्वारा वह जीते जी तो अपने परिवार साथियों सहित पूरी दुनियाँ को तो देख सकता है परंतु वह चाहे तो मृत्यु के बाद भी अपनी इन दोनों खूबसूरत आंखों से पूरी दुनियाँ को देख सकता है,बस फर्क केवल इतना है, अपना शरीर त्यागने के बाद वह दूसरे के शरीर से खूबसूरत दुनियाँ को देख सकता है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 10 जून 2025 को विश्व नेत्रदान दिवस है, इसलिए हमें समझना होगा कि,आँखों और दृष्टि का हमारें जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। यदि व्यक्ति के जीवन में दृष्टि न हो तो उसके जीने का कोई मतलब ही नहीं होता और उसे प्रत्येक कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे तो सभी आंखों के महत्व को समझते हैं और इसीलिए इसकी सुरक्षा भी सभी बड़े पैमाने पर करते हैं। हममें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।आंखें ना सिर्फ हमें रोशनी दे सकती हैं बल्कि हमारे मरने के बाद वह किसी और की जिंदगी में उजाला भी भर सकती हैं। लेकिन कुछ लोग अंधविश्वास के कारण, ऑय डोनेशन नहीं करते। उनका मानना हैं कि अगले जन्म में वे नेत्रहीन ना पैदा हो जाएं। इस अंधविश्वास की वजह से दुनियां के कई नेत्रहीन लोगों को जिंदगी भर अंधेरे में ही रहना पड़ता है। सभी लोगोंको इस बात को समझना होगा और नेत्रदान अवश्य करना चाहिए।हमारा एक सही फैसला लोगों के जिंदगी में उजाला ला सकता हैं।चूँकि नेत्रदान महादान है व नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ अपनी आंखें दान करने का संकल्प लेकर अपनी जिंदगी के बाद दूसरों की दुनियाँ रोशन करें, आत्मा की खिड़की रूपी आंखों को मृत्यु के बाद भी जीवित रखें। साथियों बात अगर हम भारत में दृष्टिहीन या नेत्रहीन बांधवों का कॉर्नय प्रत्यर्पण कर 1 वर्ष में ही भारत को अंधत्व मुक्त भारत बनाने में सहयोग की करें तो, एक आंकड़े के अनुसार भारत में लगभग 1.25 करोड़ लोग दृष्टिहीन हैं, जिसमें करीब 30 लाख व्यक्ति नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से नवदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं, आकलन बताता है कि एक वर्ष में देश में जितने लोगों की मृत ?यु होती है, अगर सभी के नेत्रों का दान हो जाए तो देश के सभी नेत्रहीन लोगों को एक ही साल में आंखें मिल जाएंगी, मगर लोग नेत्रदान करते नहीं हैं और कार्निया प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची लंबी होती जाती हैं,कोरोना काल में तो नेत्रदान की संख ?या और कम हो गई थी,खतरा केवल यही नहीं है, अपनी लापरवाही के कारण दुनियाँ धीरे-धीरे अंधत्व की तरफ बढ़ रहीहै,विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद कॉर्निया की बीमारियां (आंखों की अगली परत कार्नियाका क्षतिग्रस्त होना) आंखों की रोशनी जाने की प्रमुख वजहें हैं,अंधत्व की समस्या से गुजर रहे 92.9 पेर्सेंट लोगों को अंधा होने से बचाया जा सकता है,इसे प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस यानी रोका जा सकने वाला अंधत्व भी कहा जाता है,लेकिन मानवीय आदतों,जरूरत होनेपर भी आंखों का चश्मा नहीं लगाना, मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं करवाना और ग्लूकोमा की समय-समय पर जांच नहीं करवाने, कंप्यूटर और मोबाइल पर ज्यादा काम करने से अधिकांश लोगों की आंखों को नुकसान पहुंच रहा है, बदलती लाइफस्टाइल, अनियमितदिनचर्या प्रदूषण और बहुत ज्यादा स्ट्रेस होने की वजह से ज्यादातर लोग आंख से जुड़ी समस्याओं का शिकार होने लगे हैं,ऑन लाइन क्लासेस और कंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ने से बच्चों और युवाओं की आंखों में सूखेपन की समस्या बढ़ी है।आज देश के कई नेत्रहीनों को हमारी आंखें नई रोशनी दे सकती हैं,मगर इसके लिए सबसे पहले हमें जीवित रहते हुए अपनी आंखों और उनकी रोशनी का ध्यान रखना और मृत्यु उपरांत नेत्रदान करना जरूरी है।

डीएमके को क्यों नहीं हरा सकती भाजपा?

राकेश अचल

राजनीति में महात्वकांक्षा का बडा महत्व है और इस समय भाजपा देश की सबसे बडी महात्वाकांक्षी राजनीतिक दल है. भाजपा रोडमैप बनाकर राजनीति करती है और भाजपा ने अभी से मान लिया है कि भाजपा बिहार भले जीत ले लेकिन तमिलनाडु को नहीं जीत सकती. भाजपा के लिए तमिल अस्मिता को सिंदूरी रंग में रंगना आसान नहीं है. इसीलिए भाजपा के चाणक्य कहिये या भामाशाह यानि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मान लिया है कि डीएके को हराना भाजपा के बूते की बात नहीं है लेकिन शाह को भरोसा है कि तमिल जनता ही डीएमके को हराएगी. अमित शाह के हाव-भाव, बोलचाल से मैं रत्तीभर पसंद नहीं करता किंतु मै उनकी हाडतोड मेहनत और दृढ इच्छाशक्ति का मुरीद हूँ. किसी दूसरे दल के पास अमित शाह जैसा मेहनती नेता नहीं है. शाह दूर की कौंडी लेकर चलते हैं. आलोचनाओं से घबडाते नहीं हैं. तमिलनाडु को लेकर भी उन्होने जमीनी हकीकत जान ली है लेकिन तमिलनाडु में सत्ता हासिल करने का लक्ष्य नहीं छोडा है. अमित शाह के सपनों वाले तमिलनाडु की राजनीति के बारे में जान लीजिये. तमिलनाडु में अगले साल 2026में विधानसभा चुनाव हैं.तमिलनाडु का राजनीतिक परिदृश्य 2025 में द्रविड़ विचारधारा, क्षेत्रीय अस्मिता, और केंद्र-राज्य संबंधों पर केंद्रित है। तमिलनाडु में प्रमुख राजनीतिक दलद्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम यानि डीएमके वर्तमान में सत्तारूढ़ पार्टी है. एम.के. स्टालिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं। आपको याद होगा कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने 10 साल बाद सत्ता हासिल की थी , जिसका कारण एआईएडीएमके की सत्ता-विरोधी लहर और गठबंधन रणनीति थी। डीएमके तमिल अस्मिता, भाषाई गौरव, और सामाजिक न्याय पर जोर देती है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के त्रिभाषा फॉर्मूले का विरोध करती है, इसे हिंदी थोपने की साजिश मानते हुए हाल ही में डीएमके ने केंद्र सरकार पर परिसीमन और जनगणना 2027 को लेकर तमिलनाडु के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने का आरोप लगाया है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम प्रमुख विपक्षी दल है.जिसका नेतृत्व एडप्पादी के. पलानीस्वामी कर रहे हैं। 2021 में सत्ता गंवाने के बाद से ही एआईएडीएमके 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में सक्रिय है। हाल ही में केंद्र में बीजेपी के साथ गठबंधन करने का ऐलान किया है अमित शाह इस गठबंधश के योजनाकार हैं. हालांकि इस गठबंधन को लेकर दोनों दलों में कुछ मतभेद भी हैं।, खासकर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई इन मतभेदों की जड हैं. आपको पता ही है कि भारतीय जनता पार्टी का तमिलनाडु में प्रभाव सीमित रहा है, लेकिन के. अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने वोट शेयर को 3.66 फीसदी से बढ़ाकर 11.1 फीसदी किया है। तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की मजबूत जड़ों के कारण बीजेपी को सत्ता में आने के लिए कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।बीजेपी ने तमिल संस्कृति और रामसेतु जैसे प्रतीकों के जरिए अपनी पैठ बनाने की कोशिश की, लेकिन हिंदी विरोध और द्रविड़ अस्मिता जैसे मुद्दों ने इसे मुश्किल बनाया।तमिलगा वेट्री कझगम तमिल सुपरस्टार विजय ने 2024 में अपनी राजनीतिक पार्टी शुरू की, जिसे 2026 के विधानसभा चुनाव में एक नया विकल्प माना जा रहा है।विजय की पार्टी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही, लेकिन क्षेत्रीय मुद्दों और सामाजिक कल्याण पर जोर दे रही है। सर्वे में विजय को 18 फीसदी लोगों की पसंद बताया गया, जो डीएमके के बाद दूसरा स्थान है। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का लंबा इतिहास रहा है, जो 1937 से शुरू हुआ।2025 में डीएमके ने नयी शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने की कोशिश करार दिया, जिसे केंद्र ने खारिज किया। ।स्टालिन ने इसे तमिल अस्मिता और द्रविड़ गौरव से जोड़कर भाषा युद्ध की बात कही।परिसीमन और जनगणना 2027 के मुद्दे पर भी स्टालिन भाजपा पर हमलावर हैं.स्टालिन ने केंद्र पर आरोप लगाया कि 2027 की जनगणना और परिसीमन से तमिलनाडु की लोकसभा सीटें कम हो सकती हैं, जिससे दक्षिण भारत की राजनीतिक ताकत कमजोर होगी।केंद्र ने इन आशंकाओं को निराधार बताया और गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा दिया कि दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं होगा। तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच टकराव के तमाम मुद्दे है. स्टालिन ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को, खासकर तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन मामले में, राज्य के अधिकारों में दखल बताया। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगाई, इसे संघीय ढांचे का उल्लंघन माना।डीएमके ने केंद्र पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया, जबकि बीजेपी इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई बताती है.तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ विचारधारा और तमिल भाषा का गौरव केंद्रीय मुद्दा रहा है। डीएमके और एआईएडीएमके दोनों इस अस्मिता को मजबूत करने में लगे हैं।तमिलनाडु का नाम तमिझगम करने का प्रस्ताव भी विवाद का कारण बना, जब राज्यपाल आरएन रवि ने इसे समर्थन दिया, जिसे डीएमके ने राष्ट्रीय एकता के खिलाफ माना। सत्तारूढ़ दल के रूप में डीएमके को अपनी सामाजिक कल्याण योजनाओं और तमिल अस्मिता के मुद्दे पर भरोसा है, लेकिन कर्ज का बोझ और भ्रष्टाचार के आरोप चुनौतियाँ हैं.हालांकि एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन 2026 में मजबूत चुनौती पेश कर सकता है, लेकिन अन्नामलाई और पलानीस्वामी के बीच तनाव गठबंधन की एकजुटता को प्रभावित कर सकता है। नवगठित टीवीके के नेता विजय की लोकप्रियता और युवा समर्थन नई राजनीतिक गतिशीलता ला सकता है, लेकिन संगठनात्मक अनुभव की कमी एक चुनौती होगी।

पुरानी चीजों को फेंकने के जगह इस तरह से करें डेकोरेट

हम सभी घरों में अक्सर पुरानी चीजें रखे-रखें खराब हो जाती है। इसके पीछे का कारण या तो उनका काम में यूजफुल न होना होता है। इसके अलावा हम सभी कई चीजों को इस लिए भी नहीं फेंक पाते हैं क्योंकि उससे हमारी यादें जुड़ी होती है। ऐसा कुछ हाल घर में मौजूद फर्नीचर के साथ होता है।

फर्नीचर जैसे बेड, मेज और अलमारी का कलर निकल जाने के कारण ये पुराने और भद्दे से लगते हैं। अगर आपके घर में भी कुछ पुराने फर्नीचर रखें हैं। वह देखने में खराब लगने लगे हैं, तो बता दें कि आप इसका मेकओवर इसे नया जैसा बना सकते हैं. इसके लिए आपको केवल सामान की जरूरत पड़ेगी।

इस तरह से फर्नीचर को करें डेकोरेट

अगर आप थोड़े क्रिएटिव हैं और आपको कुछ नया करने में अच्छा लगता है। इस स्किल का उपयोग कर आप कम पैसे सामान को नया बना सकते हैं। अगर आपको ज्यादा कुछ नॉलेज नहीं हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप बाजार में मिलने वाले स्टिकर की मदद से भी सूटकेस, अलमारी और बेड को सजा सकती हैं।

फर्नीचर को सजाने के लिए जरूरी सामान

- कपड़ा
- पानी
- विनेगर
- एक बर्तन
- पेंट रोलर ब्रश
- पेंट कलर
- ब्रश
- स्क्रब
- डिजाइन स्टिकर
- व्हाइट टेप

सामान को सजाने का तरीका

- घर में मौजूद पुराने फर्नीचर मेज, कुर्सी, बेड और अलमारी इत्यादि जिसे आप नया बनाना चाहते हैं। उसे निकाल कर अलग कर लें।
- एक बर्तन में पानी लें उसमें विनेगर मिलाकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस पानी की मदद से फर्नीचर को एक-एक करके साफ कर लें।
- साफ करने के बाद सामान को हल्की धूप में सुखाने के लिए रख दें।
- इसके बाद आप पेंट को निकाल कर फर्नीचर पर पहले बेस तैयार करें।
- बेस तैयार करने के बाद आप अपने मनपसंद रंग की मदद से इन्हें रोलर ब्रश की मदद से एक से दो कोट करें।
- आप चाहें तो फर्नीचर के ऊपर कलर की मदद से डिजाइन भी क्रिएट कर सकते हैं।
- बारीक डिजाइन बनाने के लिए आप बाजार में मिलने वाले डिजाइन स्टिकर की भी मदद ले सकते हैं।

घर में करनी है बच्चे की बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट?

कम समय में ऐसे करें इंतजाम

अगर आप इस बार अपने बच्चे की बर्थडे पार्टी को घर पर ही सेलिब्रेट करना चाहती हैं और इसकी तैयारी के लिए आपके पास समय कम है, तो यहां से आइडिया लेकर आप इंतजाम कर सकते हैं।

बर्थडे का दिन हर किसी के लिए बेहद खास होता है। कई लोग इसे बड़े होटल या फिर रेस्टोरेंट में जाकर सेलिब्रेट करना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग घर पर ही शानदार तरीके से फैमिली के साथ बर्थडे मनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस बार अपने बच्चे का बर्थडे पार्टी घर पर ही सेलिब्रेट करने का सोच रहे हैं और आपके पास इंतजाम करने के लिए समय कम है, तो इस आर्टिकल की मदद ले सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे शानदार टिप्स बताने वाले हैं, जिससे आप अपने बच्चे का जन्मदिन यादगार बना सकते हैं। कम समय में घर पर बच्चे की बर्थडे पार्टी कैसे मनाएं?

थीम चुनकर करें डेकोरेट

एक थीम चुनने से आपको सजावट, भोजन और गतिविधियों को चुनने में आसानी होगी। यह आपके बच्चे की पसंद की कोई भी चीज हो सकती है, जैसे कि कोई सुपरहीरो, कार्टून कैरेक्टर, या कुछ और भी, जो आपके बच्चे को पसंद हो, उसके अनुसार आप डेकोरेशन कर सकते हैं। इसके अलावा, यदि आपके पास कम समय है, तो बहुत अधिक सजावट करने से बचें।

DIY तरीके से करें सजावट

अक्सर मन में सवाल आता है कि बर्थडे पर कैसे सजाएं रूम? तो आपको बता दें, आप इसके लिए क्रएटिविटी भी दिखा सकते हैं। पैसे और बाजार जाने का समय बचाने के लिए आप DIY तरीके से सजावट कर सकते हैं। आप पेपर फैन, बैनर और सेंटरपीस बना सकते हैं या फिर पिछली बार का घर में रखा हो, तो उसे भी दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।

भोजन की व्यवस्था ऐसे करें

आसान और स्वादिष्ट भोजन बनाने का प्लान करें, ताकि आपके समय की बचत हो। पार्टी में ऐसे भोजन बनाएं, जो बच्चों को पसंद भी हो और जल्दी भी बन जाते हों। ऐसे में, आप सैंडविच, फिंगर फूड, पिज्जा या केक

का इंतजाम कर सकते हैं। घर का बना भोजन हेल्दी होने के साथ-साथ पैसे भी बचाएंगे। इसके अलावा, आप चाहें तो बच्चों के लिए कुकीज, कपकेक या स्नैक्स बना सकते हैं। साथ ही, जूस, पानी और सोडा जैसे कुछ सिंपल और टेस्टी ड्रिंक को भी आप रख सकते हैं।

फोटो बूथ बनाएं

बर्थडे पार्टी को यादगार बनाने के लिए आप घर पर छोटे-छोटे सेल्फी और फोटो लेने के लिए आप घर के किसी कोने में शानदार फोटो बूथ तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने में आप इंटरनेट या बच्चों से भी कई क्रिएटिव आइडियाज ले सकते हैं।

बच्चों के लिए गेम का करें इंतजाम

बच्चों को व्यस्त रखने और उनके बर्थडे को स्पेशल बनाने के लिए आप कुछ पार्टी गेम का इंतजाम कर सकते हैं। अगर आपका बच्चा डांस करने का शौक रखता है, तो घर में स्पीकर की व्यवस्था आप कर सकते हैं।

बर्थडे पार्टी को कम बजट में करना है प्लान तो ये टिप्स आएंगे काम

हम सभी साल में एक बार बर्थडे मनाते हैं। ना सिर्फ अपना बल्कि अपने करीबियों के बर्थडे पर भी हम पार्टी करते हैं। अगर आप भी अपने पति, पिता, बच्चों या किसी के भी बर्थडे पर पार्टी प्लान कर रही हैं तो कुछ टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। दरअसल आजकल महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ती जा रही है। ऐसे में हम सभी अपने खर्च को कम से कम करना चाहते हैं। चलिए इस आर्टिकल में जानिए कि आखिर आप कम से कम खर्च में बर्थडे प्लान कैसे कर सकते हैं।

होटल की जगह घर या छत पर करें पार्टी

होटल या किसी हॉल को बुक करने पर एक साथ मोटी रकम देने पड़ती है। ऐसे में सही यही रहेगा कि आप घर या छत को खुद डेकोरेट करके पार्टी रखें। अगर आप छोटे बच्चे के लिए पार्टी रख रहे हैं को बलून, कार, बार्बी जैसी चीजों का इस्तेमाल करें। वहीं अगर पार्टी किसी बड़े के बर्थडे की है तो आप लाइटिंग और कैंडल लगाएं।

केक खरीदते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

केक आप चाहे घर पर भी बना सकते हैं लेकिन हर किसी को केक बनाना नहीं आता है। ऐसे लोग केक खरीदते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे किस फ्लेवर का हो, कौनसी बेकरी डिस्काउंट दे रही है, ऑनलाइन सस्ता मिल रहा है या ऑफलाइन और कोई कूपन लगा या नहीं आदि।

कोई स्पेशल थीम रखें

बर्थडे पार्टी को थोड़ा स्पेशल बनाने के लिए थीम रख सकते हैं। आजकल थीम बर्थडे पार्टी काफी ट्रेंड में भी हैं। इसके लिए आपको बस थीम चुननी है और उसी के मुताबिक डेकोरेशन करनी है।

ऑनलाइन मंगवाए गिफ्ट

बर्थडे पार्टी के दौरान हम सभी जिसका जन्मदिन होता है उसे गिफ्ट देते हैं। गिफ्ट खरीदने के लिए ऑफलाइन के बजाए ऑफलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म बेस्ट हैं। यहां से आप कम से कम खर्च में रिटर्न गिफ्ट भी मंगवा सकते हैं।

गर्मियों में पौधों को भी होती है ठंडक की जरूरत, इस 1 घोल से दूर करें प्लांट्स का डिहाइड्रेशन

बहुत कम लोग जानते हैं कि गर्मियों में इंसानों की ही तरह पौधों को भी डिहाइड्रेशन हो जाती है। ऐसे में पानी देने से भी पौधे हेल्दी और हरे-भरे नहीं रहते। आइए जानें, गर्मियों में पौधों को हाइड्रेट रखने के लिए कौन-सी खाद डालें?

गर्मियों में लोग अपनी सेहत का खूब ख्याल रखते हैं। पानी और लिक्विड डाइट को बढ़ा देते हैं, ताकि उन्हें भीषण गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन ना हो जाए। शरीर का हेल्दी रखने के लिए लोग गर्मियों में न जाने क्या-क्या नहीं करते, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है, जिस तरह से इंसानों को हाइड्रेट रहना होता है, उसी तरह पौधों को भी इसकी जरूरत होती है। गर्मी के इस मौसम में पौधों को भी डिहाइड्रेशन हो सकती है। ऐसे में उनका भी ख्याल रखना जरूरी हो जाता है। गर्मी में आपकी ही तरह आपके पौधों को भी ठंडाई की जरूरत पड़ती है। ऐसे में केवल पानी देने से काम नहीं चल पाता। पौधों को डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाने के लिए आप घर पर ही एक ठंडी खाद बना सकते हैं। इससे पौधा हेल्दी और हाइड्रेट रहेगा।

एलोवेरा से तैयार करें खाद

पौधों को ठंडक देने वाली खाद बनाने के लिए आपको एलोवेरा की जरूरत होगी। एलोवेरा हर गार्डनर के बगीचे में जरूर होता है। इस खाद को तैयार करने के लिए एलोवेरा को काटकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। खराब एलोवेरा के हिस्सों को काटकर अलग कर लें। इसके लिए हेल्दी पत्तों का ही इस्तेमाल करें। अब एलोवेरा के टुकड़ों को पीसकर पानी में मिला लें। इसे एक बड़ी प्लास्टिक की बाल्टी में डालकर 3 दिनों के लिए ढककर साइड में रख दें। इस तरह से आपकी ठंडी खाद बनकर तैयार हो जाएगी।

एलोवेरा की खाद कैसे इस्तेमाल करें?

पौधों को हाइड्रेट करने वाली एलोवेरा की ठंडी खाद को तैयार होने के बाद कुछ देर अच्छे से मिक्स करें। अब इस घोल में उसका दोगुना पानी और मिला लें। इसे डाइल्यूट करना जरूरी है। अब आप अपने पौधों को गर्मियों में भी हरा-भरा रखने के लिए इस खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पौधे भीषण गर्मी में भी खिले रहेंगे।

ऐसे रखें पौधों का ख्याल

अगर आपके पैस एलोवेरा का पौधा नहीं है, तो आप पौधों को ठंडा रखने वाली खाद बनाने के लिए एक टेबल स्पून एलोवेरा जेल को पानी में मिलाकर गमले में डाल सकते हैं। इससे भी पौधों को हेल्दी रखने में मदद मिलेगी।

पर्यावरण और स्वास्थ्य :सेहत सही लाभ कई

नई दिल्ली,एजेंसी। स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सेहत सही लाभ कई के अंतर्गत पर्यावरण और सेहत के सन्देश के साथ गांव छिजारसी के आंगनवाड़ी केंद्र में सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो द्वारा गांव की महिलाओं के साथ आयोजित किया गया एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम पर्यावरण और स्वास्थ्य दो आपस में जुड़े हुए पहलू हैं जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करते हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच संबंध:

- वायु प्रदूषण: वायु प्रदूषण से श्वसन समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।
- जल प्रदूषण: जल प्रदूषण से जलजनित बीमारियां हो सकती हैं।
- भूमि प्रदूषण: भूमि प्रदूषण से मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो सकती है और स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

पर्यावरण संरक्षण के स्वास्थ्य लाभ

- स्वच्छ वातावरण: पर्यावरण संरक्षण से स्वच्छ वातावरण मिलता है जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।
- बीमारियों की रोकथाम: पर्यावरण संरक्षण से बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलती है।

- स्वस्थ जीवन: पर्यावरण संरक्षण से स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है।

स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण संरक्षण के उपाय:

- वृक्षारोपण: वृक्षारोपण से वायु प्रदूषण कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है।
- जल संरक्षण: जल संरक्षण से जल प्रदूषण कम होता है और जल संसाधनों का संरक्षण होता है।
- कचरा प्रबंधन: कचरा प्रबंधन से भूमि प्रदूषण कम होता है और स्वास्थ्य समस्याएं कम होती हैं।

पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य दो आपस में जुड़े हुए पहलू हैं। पर्यावरण संरक्षण से स्वास्थ्य लाभ होता है और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है। इसलिए, हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करना चाहिए और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रयास करना चाहिए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ती बबीता दीदी ने सभी को अपने अपने घरों में पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया, प्लास्टिक के प्रयोग को न्यूनतम करने और उसे पुनः प्रयोग अर्थात री यूज के आसान तरीके भी बताये

महिलाओं को कढ़ी पत्ते उपहार स्वरुप दिए गएक

कढ़ी पत्ते एक अद्भुत उपहार हो सकते हैं!

कढ़ी पत्ते न केवल एक स्वादिष्ट और सुगंधित मसाला हैं, बल्कि इनमें कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं।

कढ़ी पत्ते कई लाभ होते हैं

- पाचन में सुधार,
- एंटीऑक्सीडेंट गुण,जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं।

सभी महिलाओं ने अपने और अपने परिवार के सेहत के लिए पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लिया ।

2024-25 में डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 फीसदी बढ़ा

भारत अब हथियार खरीदता कम और निर्यात कर रहा है ज्यादा

» भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपए तक पहुंच गया

नई दिल्ली। भारत में स्वदेशीकरण की शुरुआत तो कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन पिछले 11 साल में इसने इतनी रफ्तार पकड़ी कि अब भारत दुनिया के कई एलीट ग्रुप का सदस्य बन गया है। ना सिर्फ भारत अपनी सेना को स्वदेशी सैन्य उपकरणों के जरिए ताकतवर बना रहा है, बल्कि दुनिया भर के देशों को भी बेच रहा है। भारत की रफ्तार इतनी तेज है कि अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

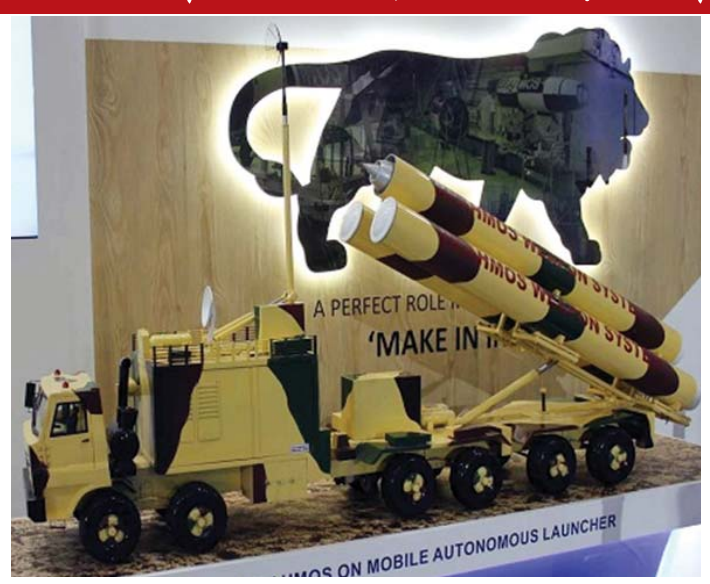

रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 फीसदी बढ़ा है. साल 2023-2024 में डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपए था, जिसमें 2,539 करोड़ का इजाफा हुआ है। भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को 23,622 करोड़ रुपए से बढ़ाते हुए 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य है। अपनी जरूरतों को देश में बने हथियारों से पूरा कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने पॉजिटिव इंडिजिनाइजेशन लिस्ट के तहत कई हजार तरह के हथियार, उपकरण और स्पेयर पार्ट्स के इंपोर्ट पर बैन लगा दिया है।

दूसरे देशों से हथियारों की खरीद करने के बजाय आज दुनिया को हथियार निर्यात कर रहा है। डीपीएसयू और प्राइवेट कंपनियों ने साल 2024-2025 में जबरदस्त प्रदर्शन किया। कुल एक्सपोर्ट का 8,389 करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट डीपीएसयू ने किया जबकि प्राइवेट कंपनियों ने 15,233 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाले। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में यह आंकड़ा 5,874 और 15,209 करोड़ रुपए था। डीपीएसयू डिफेंस एक्सपोर्ट में पिछली बार के मुकाबले 42.85 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने साल 2029 तक एक्सपोर्ट के आंकड़े को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का टार्गेट रखा है।

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा हथियार उत्पातक और निर्यातक है, फ्रांस भी कम नहीं है। अब यह दोनों देश भारत के साथ रक्षा सहयोग और उत्पाद के अलावा डिफेंस प्रोडक्ट भारत से खरीद रहा है। साल 2023-2024 में अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया सबसे ज्यादा खरीद करने वाले देश थे। भारत कुल 80 देशों को आज सैन्य उपकरण और बाकी साजो-सामान बेच रहा है। दुनिया के तमाम हथियार निर्माता देश भारत के साथ जुड़ने की कोशिशों में जुटे हैं।

रक्षा मंत्रालय की तरफ से वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आंकड़े जारी किए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 2004 से 2014 तक जो एक्सपोर्ट मात्र 4,312 करोड़ का हुआ करता था, वह 2014-2024 में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। देश में रक्षा उत्पादन पिछले 10 साल में 174 फीसदी बढ़ गया है। साल 2014-15 में जो डिफेंस प्रोडक्शन महज 46,429 करोड़ था, वह साल 2023-24 में बढ़कर 1,27,265 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। 3 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन का टारगेट साल 2029 तक का रखा गया है।

ट्रंप-मस्क विवाद पर एरोल का बयान

एलन से गलती हो गई, लड़ाई में ट्रंप की ही जीत होगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी टेस्ला के मालिक एलन मस्क का 'याराना' अब टूट चुका है। वे खुलकर एक-दूसरे पर कीचड़ उछाल रहे हैं। दोनों की दोस्ती में आई दरार की वजह बना है, बिग ब्यूटीफुल बिल है। इस बिल में भारी सरकारी खर्च और टैक्स कटौती का प्रावधान है, इस ट्रंप ने 'बिग ब्यूटीफुल' बताया।

ट्रंप और मस्क की लड़ाई में अब टेस्ला सीईओ के पिता एरोल मस्क की भी एंट्री हुई है। एरोल ने दोनों के बीच झगड़े की वजह बताकर इसका परिणाम भी बता दिया। उनका कहना है कि ट्रंप से दुश्मनी मोल लेकर मस्क घाटे में रहने वाले है।

एरोल का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के बीच इस विवाद की असल वजह पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) और बीते महीनों के तनाव है। रिपोर्ट के मुताबिक, एरोल मस्क ने कहा, उनके बीच बिल को लेकर बहस हुई। बीते कुछ महीनों से सभी पीटीडीएस से गुजर रहे हैं।

एरोल ने कहा, दुर्भाग्य से एलन यह नहीं समझ सके कि सीनेट और कांग्रेस में समर्थन पाने के लिए ट्रंप को ऐसा करना पड़ा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि दोनों नेता बीते पांच महीनों से भारी तनाव में हैं और बिग, ब्यूटीफुल बिल उनके रिश्तों में दरार का कारण बन गया। एरोल मस्क का कहना है कि ट्रंप राष्ट्रपति हैं और अंतत: वे इस लड़ाई में जीत जाने वाले है। एलन थके हुए और तनाव में हैं, इसकारण बेटे से गलती हो गई।

सोना 280 रुपये गिरकर 97780 रुपये पर पहुंचा

चांदी 1000 रुपये उछलकर नए रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच सोमवार को राजधानी दिल्ली में चांदी ने एक बार फिर शिखर छू लिया। सफेद धातु की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। वहीं, सोने की कीमत 280 रुपये गिरकर 97,780 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 250 रुपये गिरकर 97,350 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टी की है।

इससे पहले, शनिवार को सोना 1,630 रुपये गिरकर 98,060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। वहीं, चांदी की कीमत 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। व्यापारियों ने कहा कि निवेशकों की मजबूत मांग, कमजोर डॉलर, भू-राजनीतिक तनाव और ईवी व सौर औद्योगिक मांग में वृद्धि के कारण चांदी की कीमतों में उछाल आया। वैश्विक स्तर पर हाजिर सोना मामूली रूप से बढ़कर 3,312.84 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, कमोडिटीज, सौमिल गांधी ने कहा कि सोमवार को मिले जुले संकेतों के बीच सोना अपने दायरे के निचले स्तर पर स्थिर रहा। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता की उम्मीदों ने सुरक्षित संपत्तियों की मांग में कमी पैदा की। इसके अलावा, अमेरिका में नवीनतम नॉनफार्म पेरोल रिपोर्ट मजबूत थी। इससे व्यापारियों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति में ढिल हो सकती है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 0.9 प्रतिशत बढ़कर 36.30 डॉलर प्रति औंस हो गई। मेहता इक्विटीज के उपाध्यक्ष, कमोडिटीज राहुल कलंत्री ने कहा कि चांदी की कीमतें वैश्विक स्तर पर 13 साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद मजबूत बढ़त से उभर रही हैं।

कंपनी के एआई निवेश बढ़ाने के बावजूद भी ह्यूमन टैलेंट जरूरी बना रहेगा

गूगल का अगला सीईओ कौन? सुंदर बोले- एआई निभाएगा भूमिका

वाशिंगटन। गूगल का अगला सीईओ कौन होगा? कंपनी के मौजूदा सीईओ सुंदर पिचाई ने इसका जवाब दिया है। पिचाई ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) गूगल के भविष्य के नेतृत्व में अहम भूमिका निभाएगा। भविष्य में गूगल को इंसान चलाएगा या एआई? इस सवाल का जवाब देते हुए पिचाई ने कहा कि मुझे लगता है कि जो भी इसे चलाएगा, उसके पास एक असाधारण एआई साथी होगा। पिचाई 2015 से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं, वे को-फाउंडर लैरी पेज के उत्तराधिकारी हैं।

पिचाई ने कहा कि गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट कम से कम 2026 तक इंजीनियरों की भर्ती करती रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी के एआई निवेश बढ़ाने के बावजूद भी ह्यूमन टैलेंट जरूरी बना रहेगा। पिचाई ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम अपने मौजूदा इंजीनियरिंग बेस से अगले साल भी आगे बढ़ेंगे क्योंकि यह हमें अवसरों के क्षेत्र में और ज्यादा काम करने की अनुमति देता है। मैं इसे इंजीनियरों को नाटकीय रूप से ज्यादा प्रोडक्टिव बनाने के रूप में देखता हूं। माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने इस साल काफी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जो आंशिक रूप से एआई में लीडरशिप तय करने के लिए जरूरी भारी निवेश को दर्शाता है। नौकरी से निकाले जाने से इस बात की आशंका बढ़ गई है कि टेक्नोलॉजी कुछ नौकरियों की जगह ले लेगी। गूगल ने भी रिसोर्सेज को फ्री करने के लिए हाल के सालों में छंटनी के कई दौर चलाए हैं।

पिचाई ने कहा कि यह माना जा सकता है कि एआई कोडिंग जैसे क्षेत्रों में शानदार है, लेकिन मॉडल अभी भी बुनियादी गलतियां करते रहते हैं, जिसके लिए मानवीय हस्तक्षेप की जरुरत होती है। पिचाई ने सर्च रिजल्ट्स में गूगल के एआई जेनरेटेड उत्तरों पर पब्लिशर्स के बीच बढ़ती चिंता को भी संबोधित किया। इसके बारे में कई लोगों का तर्क है कि वे ओरिजिनल सोर्सेज पर वेब ट्रैफिक को कम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि गूगल बड़े इंटरनेट इकोसिस्टम का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बता दें पिचाई के मंच पर आने से पहले मेटा प्लेटफॉर्म्स के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर ने कहा कि सिलिकॉन वैली में एक बड़ा बदलाव आया है। अब टेक इंडस्ट्री में अमेरिकी सेना के लिए रिसोर्सेज को डिवेलप करना स्वीकार्य है। कंपनी ने पिछले सप्ताह डिफेंस कॉन्ट्रैक्टर के साथ पार्टनरशिप की घोषणा की। इसके तहत वह अमेरिकी सेना के लिए प्रोडक्ट डिवेलप किए जाएंगे। इसमें वर्चुअल और ऑग्मेंटेड रिएलिटी फीचर्स के साथ एआई पावर्ड हेलमेट भी शामिल है।

स्विट्जरलैंड व स्वीडन की यात्रा पर जाएंगे उद्योग मंत्री गोयल

व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने के लिए दौरा अहम

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड और स्वीडन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा 9 जून से 13 जून के बीच होने वाली है। यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए यह यात्रा अहम मानी जा रही है। यह यात्रा यूरोप की दो सबसे इनोवेटिव अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में मील का पत्थर है। इस बैठक में मंत्री सहित दोनो देशों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योगपति और व्यापार संघों के साथ चर्चा की जाएगी। वहां उद्योग मंत्री पत्रकारों से भी बातचीत करेंगे। यह बैठक स्विट्जरलैंड से शुरू होगी, जहां मंत्री वैश्विक सीईओ और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के अवसर तलाशेंगे। इसमें फार्मा, जीवन विज्ञान, प्रेसिजन इंजीनियरिंग, मशिन टूल्स, हाई टेक विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों के स्विस उद्योगपति शामिल होंगे। स्वीडन में मंत्री भारत-स्वीडिश संयुक्त आयोग (जेसीईआईएससी) के 21वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। यहां स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा के साथ आर्थिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक सहोयग को लेकर बातचीत की जाएगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस, एनर्जी और आई टी शेयरों में आई तेजी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 256 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,445.21 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी बढ़कर 25,103.20 पर बंद हुआ. आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। रियल्टी के अलावा शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार में उत्साह का माहौल आरबीआई के रेपो दर में 50 आधार अंकों और सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती करने के कारण दुनिया भर के बाजारों में पड़े प्रभाव से आया है। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.92 फीसदी की तेजी के साथ 38,088 पर और कोरिया का कोस्पी 1.55 फीसदी बढ़कर 2,855 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.63 फीसदी की बढ़त के साथ 24,181 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 फीसदी की तेजी के साथ 3,399 पर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि पेरोल डेटा ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को कम करने के चलते वॉल स्ट्रीट में तेजी आई।

अमेरिका की टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री को घुटनों पर लाना चाहता है चीन

» चीन ने मैग्नेट्स को अपने 'कंट्रोल लिस्ट' में डालकर पूरी सप्लाई चेन पर सरकार की मुहर लगा दी

बीजिंग। बीते हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक खास फोन कॉल हुआ। चर्चा थी क्या चीन रेयर अर्थ मैग्नेट्स के निर्यात पर लगाई गई पाबंदियों में ढील देगा? लेकिन इस बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उल्टा चीन ने अप्रैल से इन मैग्नेट्स को अपने 'कंट्रोल लिस्ट' में डालकर पूरी सप्लाई चेन पर सरकार की मुहर लगा दी है। यानि अब कोई भी कंपनी इन मैग्नेट्स को चीन से बाहर नहीं ले जा सकती जब तक उसे सरकार से लाइसेंस न मिले। और इस प्रक्रिया में इतना वक्त और पेच है कि अमेरिका और जापान की कंपनियों को अपने प्रोडक्शन

तक रोकने पड़ गए हैं। यूरोप में तो कुछ ऑटो पार्ट कंपनियों की फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो गई हैं।

सवाल उठ रहा है कि क्या ड्रैगन ने 'रेयर अर्थ' को नया मिसाइल बना लिया है जिससे वह अमेरिका की टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री को घुटनों पर लाना चाहता है? हाल की घटनाओं को देखें तो जवाब साफ हैज हां। और सिर्फ अमेरिका नहीं, जापान और यूरोप भी इस 'चाइनीज़ चंगुल' में उलझ चुके हैं। चीन का यह प्लान डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड वॉर के बीच आया है। चीन की यह चाल कोई अचानक बनी रणनीति नहीं है। बीते कई सालों से बीजिंग अमेरिका की तरह अपना एक्सपोर्ट कंट्रोल सिस्टम बना रहा था। अब उसने उसका ट्रायल शुरू कर दिया है - और पहला टारगेट है 'रेयर अर्थ मैग्नेट्स'। ये वही खनिज हैं जो इलेक्ट्रिक कारों से लेकर हाईटेक हथियारों तक की जान होते हैं। और चीन इस समय दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक ही नहीं बल्कि लगभग एकाधिकार रखने वाला खिलाड़ी है।

रेयर अर्थ वो दुर्लभ खनिज हैं जो इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, सैटेलाइट्स, गाइडेड मिसाइल्स और मोबाइल फोन जैसे उपकरणों में लगते हैं। चीन दुनिया में इनका सबसे बड़ा प्रोसेसर है। करीब 70 प्रतिशत माइनिंग और 90 प्रतिशत रिफाइनिंग चीन के पास है। ये वही ताकत है जिससे चीन अब अमेरिका को उसी के तरीके से जवाब दे रहा है।विशेषज्ञों के मुताबिक चीन अब केवल एक्सपोर्ट कंट्रोल नहीं कर रहा, बल्कि ग्लोबल सप्लाई चेन की नब्ज पकड़ने की कोशिश कर रहा है। जो भी विदेशी कंपनी इन मैग्नेट्स का इस्तेमाल करती है उसे अब चीन से इजाजत लेनी होगी।

चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती लोकप्रियता, यूजर्स की संख्या 3 मिलियन पार

नई दिल्ली। ओपनएआई ने बिजनेस यूजर्स के लिए चैटजीपीटी में कई नए वर्कप्लेस टूल्स और फीचर्स भी पेश किए हैं। इन नए टूल्स के जरिए कंपनियों को और जटिल और गहन एआई-सक्षम कार्य करने में सहायता मिलती है। वर्तमान में कर्मचारी चैटजीपीटी का उपयोग तुरंत उत्तर पाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही, कंपनी ने कनेक्टर्स का बीटा वर्जन जारी किया है, जो ड्रॉपबॉक्स, बॉक्स, शेयरपॉइंट, वनड्राइव और गूगल ड्राइव जैसे लोकप्रिय क्लाउड स्टोरेज प्लेटफॉर्म से जुड़ने की सुविधा देता है। इसके जरिये यूजर्स अपने डेटा को तेजी से खोज और एक्सेस कर सकते हैं। एडमिन्स यह नियंत्रित कर सकते हैं कि किन कनेक्टर्स को वर्कप्लेस में सक्षम किया जाए। ओपनएआई ने बताया कि चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या तीन मिलियन से अधिक हो गई है। यह संख्या फरवरी में दो मिलियन के स्तर पर थी, जो इस वर्ष की शुरुआत से लेकर अब तक तेज वृद्धि को दर्शाती है। कंपनी ने कहा है कि यह मील का पत्थर चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती लोकप्रियता और व्यवसायों में एआई टूल्स के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। कंपनियां अब ऐसे एआई समाधान चाहती हैं जो उन्हें अधिक उत्पादक, कुशल और रणनीतिक कार्य करने में मदद कर सकें। ओपनएआई ने एमसीपी (मैनेज्ड कनेक्टर प्लेटफॉर्म) भी लॉन्च किया है, जो यूजर्स को सुरक्षित तरीके से अपने टूल्स कनेक्ट करने की सुविधा देता है। साथ ही, टीम यूजर्स के लिए रिकॉर्ड मोड फीचर भी पेश किया गया है, जो मीटिंग्स और विचार-मंथन सत्रों को रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब करता है। यह फीचर इंटरनल डॉक्यूमेंट्स और सेव्ड फाइल्स के साथ सहज इंटीग्रेशन भी प्रदान करता है। ओपनएआई की इस नई पहल से स्पष्ट होता है कि चैटजीपीटी अब केवल संवादात्मक एआई नहीं बल्कि बिजनेस और रिसर्च के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है, जो संगठनों को अधिक प्रभावी और सूचित निर्णय लेने में मदद करता है।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन कप्तान पोंटिंग ने कहा -

विराट, रोहित की जगह लेने टीम इंडिया पास पर्याप्त प्रतिभाएं

नये कप्तान गिल की टीम को इंग्लैंड के कठिन हालातों में अपने को साबित करना रहेगा

मुंबई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम को अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस होगी पर इनकी जगह लेने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभाएं हैं। पोंटिंग के अनुसार दिग्गज बल्लेबाजों की जगह लेना हमेशा ही कठिन होता है पर भारतीय टीम के पास पर्याप्त प्रतिभाएं हैं जो इस चुनौती को अच्छे से सामना कर सकती हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में पहला टेस्ट शुरु होगा। ये सीरीज अगस्त 2025 तक चलेगी और प्रशंसकों व खिलाड़ियों के लिए इसमें एक भावनात्मक चुनौती भी रहेगी। पूर्व कप्तान के अनुसार रोहित और विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद नये कप्तान शुभमन गिल की टीम को इंग्लैंड के कठिन हालातों में अपने को साबित करना रहेगा।

इस दौरे में ध्रुव जुरेल, करुण नायर, अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जैसे प्रतिभाशाली युवाओं के पासा अपने को साबित करने का अवसर है। पोंटिंग ने कहा कि इतने लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ियों की जगह लेना हमेशा ही मुश्किल रहा है पर इसमें अगर कोई टीम तेज से ऐसा कर सकती है तो वह भारतीय टीम है, क्योंकि उनके पास अभी काफी युवा प्रतिभाएं हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 10 साल तक आईपीएल में यह देखा है। इससे निकले यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आते ही धूम मचा रहे हैं। भारत स्किल को आसानी से बदल सकता है हालांकि अनुभव की कमी रहेगी। शुभमन जैसे युवा कप्तान के साथ, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं जिनका लाभ टीम को मिलेगा। पोंटिंग ने कहा कि पुनर्निर्माण के दौर का सामना भारतीय टीम बेहतर तरीके से कर सकती है। रोहित और विराट ने पिछले माह ही अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

इंग्लैंड के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बने आदिल राशिद

शेफर्ड और होल्डर ने एक ही ओवर में बनाये 31 रन

लंदन। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच को चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 196 रन बनाये। इसे बाद इंग्लैंड ने ये लक्ष्य छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए इस मैच में ल्यूक वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए।

वहीं आदिल राशिद बेहद महंगे साबित हुए। राशिद ने एक ही ओवर में 31 रन दे दिये। यह टी-20 में किसी भी इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा किया गया दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया, इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में युवराज सिंह से छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे।

राशिद ने पारी का 19 ओवर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को किया। उनके ओवर की पहली ही गेंद पर होल्डर ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर भी छह रन गये। वहीं तीसरी गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगा। चौथी गेंद पर होल्डर ने एक रन बनाया। इसके बाद शेफर्ड ने पांचवीं गेंद और छठी गेंद पर छक्का लगाकर ओवर समाप्त किया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एविन लुईस जल्दी आउट हो गए पर शाई होप और जॉनसन चार्ल्स ने 90 रन बनाकर पारी संभाली। होप 49 रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रनों तक पहुंचा दिया। इंग्लैंड की ओर से टॉम बैंटन ने 30 रन और जैकब बेथेल ने 26 रन बनाये। दूसरे मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड को तीन मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित है स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया है कि वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि दो महीने तक उन्होंने न्यूयॉर्क में छुट्टियां बिताईं और इस दौरान उन्होंने एक बार भी बल्ला हाथ में नहीं लिया। स्मिथ ने कहा कि आमतौर पर वह घर में एक बल्ला रखते हैं और कभी-कभी शैडो बैटिंग भी कर लेते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी तरह क्रिकेट से ब्रेक लेने का निर्णय लिया। स्मिथ ने बताया, मैंने यहां (डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के कैंप में) आने से पहले एक बार भी बल्ला नहीं छुआ। पहली बार बैट पकड़ना वाकई में अच्छा लगा। आमतौर पर यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन मैं जल्दी लय में लौट आया। दोनों अभ्यास सत्र शानदार रहे और सब कुछ अपने आप क्लिक करता चला गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्मिथ अब पूरी तरह तैयार हैं और उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। उन्होंने यह भी बताया कि वे शारीरिक रूप से पहले से बेहतर स्थिति में हैं। स्मिथ ने कहा, मैं 2014 के बाद पहली बार खुद को इतना फिट महसूस कर रहा हूं। मेरे कूल्हे एकदम ठीक हैं, मैं बेहतर तरीके से झुक सकता हूं, जो स्लिप में फील्डिंग करते समय मदद करेगा। यह शायद मेरी अब तक की सबसे अच्छी शारीरिक स्थिति है। स्मिथ के इस बयान से यह साफ है कि उन्होंने न सिर्फ मानसिक रूप से खुद को तरोताजा किया है, बल्कि शारीरिक रूप से भी खुद को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मैदान पर वापसी के साथ वे अपनी बल्लेबाजी से क्या कमाल दिखाते हैं। मालूम हो कि स्मिथ काफी समय से क्रिकेट से दूर थे और इस दौरान उन्होंने जानबूझकर बल्ला तक नहीं उठाया। चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी और इसके बाद से वे पूरी तरह क्रिकेट से दूर रहे।

ऋषभ और वेंकटेश ही नहीं, नटराज भी मोटी रकम मिलने के बाद फ्लाप रहे

केवल 3 ओवर फेंके हैं और 11 करोड़ मिले

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर खराब प्रदर्शन के लिए सबसे निशाने पर रहे हैं। इसका कारण है कि करोड़ों की राशि मिलने के बाद भी ये रन नहीं बना पाये। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा है जिसपर किसी का ध्यान नहीं गया क्योंकि उसने केवल 3 ओवर फेंके हैं और उसे करीब 11 करोड़ मिले हैं। इसके बाद भी वह आलोचना से बचा हुआ है। ये खिलाड़ी तेज गेंदबाज टी नटराज है।

ऋषभ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स से 27 करोड़ मिले। वहीं, वेंकटेश अय्यर इस लीग के इतिहास के चौथे सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी थे। उनको कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा था। ऋषभने 14 मैचों में 269 रन बनाए और वेंकटेश अय्यर ने 11 मैचों की 7 पारियों में 142 रन बना सके।

वहीं नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपये में नीलामी में खरीदा था पर इस गेंदबाज को केवल दो मैचों में खेलने का ही अवसर मिला। इनमें से भी एक मैच में गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि मैच बारिश में धुल गया था। एक मैच में गेंदबाजी आई, जिसमें अपने कोटे के चार ओवरों में से सिर्फ 3 ओवर किए और 49 रन दिए। इसमें भी उसे कोई विकेट भी नहीं मिला। इस तरह नटराज दिल्ली कैपिटल्स के सबसे महंगे गेंदबाज रहे।

कुलदीप अपनी मंगेतर के साथ नजर आये, रिंकू की मंगेतर भी साथ थीं

लखनऊ। क्रिकेटर कुलदीप यादव और रिंकू सिंह आजकल बेहद चर्चाओं में बने हैं। रिंकू की जहां 8 जून को सगाई हुई, वहीं कुलदीप की कुछ दिनो पहले हुई थी। अब कुलदीप की सगाई के अवसर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है इसमें वह अपनी मंगेतर और रिंकू सिंह की मंगेतर के साथ नजर आ रहे हैं। तीनों ही पारंपरिक पोशक में है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और लोग न केवल उनकी बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं बल्कि उनके फैशन सेंस की भी तारीफ कर रहे हैं। कुलदीप ने इस अवसर पर सफेद (आइवरी व्हाइट) कलर की ब्रोकेड शेरवानी पहनी, जिस पर हल्का एम्ब्रॉयडरी वर्क किया गया था। उन्होंने इसके साथ ही मैचिंग चूड़ीदार और ब्राउन फॉर्मल शूज पहने हैं। उनका हेयरस्टाइल और हल्की दाढ़ी उनके पूरे लुक को और भी स्मार्ट बना रही थी। यह लुक एकदम शाही और एलिगेंट लग रहा था, जो किसी भी फेस्टिव या वेडिंग मौके पर परफेक्ट माना जा सकता है. वहीं रिंकू सिंह की मंगेतर प्रिया सरोज ने ब्लैक और गोल्डन कॉम्बिनेशन की क्लासिक बनारसी साड़ी पहनी थी। इस साड़ी की गोल्डन बॉर्डर और रिच टेक्सचर ने उनके लुक को बहुत शालीन और पारंपरिक बना दिया। उन्होंने इसे सिंपल ब्लैक ब्लाउज, पर्ल नेकलेस और घड़ी के साथ स्टाइल किया। उनकी सादगी और ग्रेस ने इस ट्रेडिशनल आउटफिट को और भी खास बना दिया। उनका हेयरस्टाइल स्ट्रेट ओपन हेयर था और मेकअप भी मिनिमल रखा गया था। वहीं कुलदीप यादव की मंगेतर वंशिका ने इस मौके पर रेड और गोल्डन वर्क वाला भारी लहंगा पहना था। लहंगे पर की गई एम्ब्रॉयडरी और डिज़ाइन ब्राइडल टच देती है. उन्होंने अपने आउटफिट को मैचिंग दुपट्टे, स्टेटमेंट ज्वेलरी और स्मूद हेयरस्टाइल के साथ स्टाइल किय। उनका यह लुक बहुत ही ग्रैंड और रॉयल फील दे रहा था, जिसे शादी या रिसेप्शन जैसे अवसरों के लिए एक परफेक्ट फैशन इंस्पिरेशन माना जा सकता है।

वसीम अकरम की मूर्ति को लेकर खड़ा हुआ विवाद

हैदराबाद। पाकिस्तान के हैदराबाद शहर स्थित नियाज स्टेडियम में स्थापित दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम की मूर्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, मूर्ति का अनावरण अप्रैल 2025 में होना प्रस्तावित था, लेकिन इससे पहले ही इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिसके बाद प्रशंसकों ने मूर्ति के चेहरे की बनावट पर सवाल उठाते हुए जमकर आलोचना की। मूर्ति में अकरम को उनके विशिष्ट गेंदबाजी एक्शन में दिखाया गया है, जिसमें वह 1999 के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की पाकिस्तान टीम की आधिकारिक जर्सी पहने नजर आ रहे हैं। वायरल हुई तस्वीरों में मूर्ति का चेहरा वसीम अकरम से मेल नहीं खा रहा, जिस वजह से यह इंटरनेट पर मीम्स और मजाक का विषय बन गया है। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कमेंट करते हुए लिखा कि ऐसा लगता है मानो वसीम अकरम को सिल्वेस्टर स्टेलोन के चेहरे के आधार पर गढ़ा गया हो। वहीं, एक अन्य यूजर ने अकरम की पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से खिन्न दिख रहे हैं, और मजाक में लिखा, वसीम अकरम अभी। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस मूर्ति को अपडेट कराने की सलाह तक दे डाली। वसीम अकरम का क्रिकेट में योगदान बेहद अहम रहा है। उन्होंने 1984 से 2003 के बीच पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और अपने करियर में 414 टेस्ट और 502 वनडे विकेट चटकाए। उन्हें न केवल पाकिस्तान का बल्कि विश्व क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ का तेज गेंदबाज माना जाता है। 1992 के विश्व कप में उनकी भूमिका निर्णायक रही थी, जहां उन्होंने 10 मैचों में 18 विकेट लेकर पाकिस्तान को पहली और अब तक की एकमात्र वनडे विश्व कप ट्रॉफी जिताने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में बन सकते हैं नये रिकार्ड

मुम्बई। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में कई नये रिकार्ड बन सकते हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 13 विकेट चाहिये। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को भारत के खिलाफ 3000 रन बनाने के लिए केवल 154 रनों की जरुरत है। ये रन बनाते ही वह भारत के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

इंग्लैंड की धरती पर सबसे अधिक 7 शतक सचिन तेंदुलकर के नाम है। उनकी सबसे यादगार पारियों में 1990 में मैनचेस्टर में 119 रन की नाबाद पारी थी। यह वो पारी थी, जिसने सभी हैरान हो गये थे। उनके साल 2002 में लीड्स में बनाए 193 रनों की पारी को भी कौन भूल सकता है। तेंदुलकर के बाद इंग्लैंड में सबसे अधिक शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर हैं। द्रविड़ और गावस्कर ने इंग्लैंड में 6-6 टेस्ट शतक लगाये हैं। वहीं विराट कोहली के नाम इंग्लैंड में 2 टेस्ट शतक हैं। विराट ने पहला शतक 2018 में नॉटिंघम में बनाया था जबकि दूसरा शतक 2018 में एजबेस्टन में लगाया था। वहीं रोहित शर्मा ने इंग्लैंड में केवल एक टेस्ट शतक लगाया है।

सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारे भारतीय टीम : क्लार्क

आईपीएल के 18 वें सत्र में 15 मैचों में सबसे ज्यादा 759 रन बनाए

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन को भारतीय टीम तीसरे नंबर पर उतारे। सुदर्शन ने आईपीएल के 18 वें सत्र में 15 मैचों में सबसे ज्यादा 759 रन बनाए हैं। इसी के बाद सुदर्शन को इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में जगह मिली थी। वहीं भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इस सीरीज में विराट कोहली की जगह पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नजर आ सकते हैं। विराट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्लार्क ने कहा, मेरे लिए साई सुदर्शनसुपरस्टार है मुझे लगता है कि वह टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर के लिए है। मेरे हिसाब से आने वाले समय में वह भारत के लिए टी20 और वनडे में पारी की शुरुआत करने वाला है। वह उनकी टेस्ट टीम में हैं। उन्हें इंग्लैंड में पहली बार अवसर मिला है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन का प्रदर्शन शानदार रहा था। इस क्रिकेटर ने 15 मैचों में 54.21 के औसत से 759 रन बनाए थे। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सत्र में एक शतक और 6 अर्धशतक लगाए थे। गुजरात की टीम प्लेऑफ में चौथे नंबर पर रही थी। क्लार्क ने कहा, मुझे लगता है कि वह टीम में सीधे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकता है। मुझे लगता है कि तकनीकी रूप से वह बहुत अच्छा है, उसके पास सभी शॉट हैं और मानसिक रूप से वह तैयार है। उसने मुझे वास्तव में प्रभावित किया और वह एक अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी भी है।

हनुमत धाम के भूमि-पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव हुए वर्चुअली शामिल

भोपाल सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में बना रहा है पहचान : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल, सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में पहचान बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है। कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम के निर्माण से भोपाल की आभा और कीर्ति बढ़ेगी। भोपाल में राजा भोज के नाम से भोज द्वार बनाने का संकल्प लिया था, हनुमत धाम निर्माण भी इसी दिशा में एक कदम है।

» कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम निर्माण से बढ़ेगी भोपाल की आभा और कीर्ति

सम्राट विक्रमादित्य सहित भारतीय संस्कृति से जुड़े सभी गौरवशाली पक्षों को यहां प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज-बाबा का हनुमत धाम का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में बाबा का धाम बनाने का राम राज बाबा नीब करौरी चैरिटेबल ट्रस्ट का संकल्प स्वागत योग्य है। बाबा से जुड़े कार्यक्रम में सम्मिलित होना सौभाग्य का विषय है। धाम निर्माण का संकल्प एक अध्यात्मिक युग के सूत्रपात जैसा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैंची धाम की महिमा देश-विदेश में अनुभव की जा रही है। वैश्विक स्तर पर उनके अनुभवों और संदेशों से लोग प्रेरणा ले रहे हैं। भोपाल का यह धाम सम्पूर्ण प्रदेश और आस-पास के राज्यों के लिए बाबा के आशीर्वाद का केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धाम के लिए डॉ. बृजेश श्रीवास्तव द्वारा भूमि समर्पित करने के लिए उनकी सराहना करते हुए भूमि दान को अनुकरणीय पहल बताया।

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग तथा सांसद वी.डी. शर्मा ने भी अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हितानंद शर्मा, आशीष अग्रवाल, डॉ. बृजेश श्रीवास्तव, नितेन्द्र शर्मा, श्रीमती अनिता अग्निहोत्री तथा बाबा नीम करौरी की पौत्र-वधु श्रीमती शैलजा शर्मा उपस्थित थीं।

रतनपुर स्थित कार्यक्रम स्थल पर सांसद भोपाल आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं भगवानदास सबनानी, बाबा नीब करौरी के पौत्र डॉ. धनंजय शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री राकेश अग्निहोत्री सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

एक कॉर्निया लौटी दो लोगों की आंखों की रोशनी

» बीएमएचआरसी में केरल से आई आंख से देखेंगे दुनिया, पहली बार हुई डीएमईके सर्जरी

भोपाल। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में केरल के एक आई बैंक से डोनेशन में मिले कॉर्निया से दो अलग-अलग मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाई गई है। प्रबंधन का कहना है कि यह भोपाल में संभवत: पहला मामला है। जिसमें डेसेमेट मेम्ब्रेन एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी सर्जरी की गई हैं। इस सर्जरी के जरिए एक ही कॉर्निया के दो अलग-अलग भागों का उपयोग कर दो व्यक्तियों को देखने की शक्ति प्रदान की जाती है।

कॉर्निया के एक हिस्से का उपयोग भोपाल के एक निजी अस्पताल में एक मरीज के सफल प्रत्यारोपण के लिए किया गया। वहीं, दूसरे हिस्से से बीएमएचआरसी में भर्ती 66 वर्षीय गैस पीड़ित मरीज को नई रोशनी मिली। यह जटिल ऑपरेशन नेत्र रोग विभाग के विजिटिंग कंसल्टेंट डॉ. प्रतीक गुजर ने नेत्र रोग विभाग की प्रमुख डॉ. हेमलता यादव की उपस्थिति में कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्र में किया।

असफल मोतियाबिंद के ऑपरेशन ने छीनी रोशनी- बीएमएचआरसी में इलाज कराने वाले मरीज की एक आंख में पहले ही मोतियाबिंद का ऑपरेशन असफल हो चुका था, जिसके कारण उसकी रोशनी पूरी तरह चली गई थी। वह कॉर्नियल एंडोथेलियल फेल्योर नामक स्थिति से पीड़ित था। इस बीमारी में आंख की सबसे अंदरूनी परत ठीक से काम करना बंद कर देती है और चीजें धुंधली दिखने लगती हैं। इस प्रत्यारोपण में डेसेमेट मेम्ब्रेन एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी सर्जरी तकनीक का उपयोग किया गया। यह एक आधुनिक माइक्रोसर्जरी तकनीक है, जिसमें केवल क्षतिग्रस्त एंडोथेलियल परत को हटाकर, स्वस्थ डोनर की परत लगाई जाती है। इस प्रक्रिया की खासियत यह है कि इसमें टांकों की जरूरत नहीं होती है। मरीज की दृष्टि भी तेजी से वापस लौटती है।

डॉ. गुजर ने बताया कि कॉर्निया की दो प्रमुख परतें स्ट्रोमा (मध्य परत) और एंडोथेलियल (भीतरी परत) होती हैं। माइक्रोसर्जरी तकनीकों के जरिए इन दोनों परतों को अलग-अलग कर मरीजों के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। हालांकि, इसके लिए डोनर के टिशु की गुणवत्ता बहुत अच्छी होनी चाहिए और दोनों मरीजों की आंखों की समस्याएं अलग-अलग हों।

सेवा भारती द्वारा आयोजित बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

बेटियाँ अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं : मंत्री जायसवाल

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने सेवा भारती माधव मंडल, भोपाल द्वारा बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता की। उन्होंने बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियां अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर समान अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए काम किया जा रहा है। बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि सेवा भारती द्वारा 13 वर्ष से 18 वर्ष की बालिकाओं को जूडो, मार्शल आर्ट एवं कराटे का प्रशिक्षण देकर आत्मरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। श्री जायसवाल ने कहा कि सेवा भारती का यह प्रयास बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। बालिकाओं को तुलसी का पौधा भेंट कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में माधव मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजुलता शर्मा, मंडल प्रभारी श्री राम रघुवंशी, समाजसेवी श्री उमेश और बड़ी संख्या मं छात्राएं उपस्थित थीं।

ट्रक में घुसी कार, दो सगी बहनों की मौत

» भोपाल में पार्टी मनाकर लौट रहे थे; कार सवार 3 लोगों की हालत गंभीर

भोपाल। भोपाल में एक सड़क हादसे में 2 सगी बहनों की मौत हो गई। घटना रविवार रात बाग सेवनिया इलाके की है। हादसे में एक महिला का पति और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका सागर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बागसेवनिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देर रात तेज रफ्तार कार मिसरोद की ओर से आ रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों बहनें दीपाली वर्मा (33) और शिखा वर्मा (29) बहनें थीं और कटारा हिल्स क्षेत्र की रहने वाली थीं। वहीं, घायलों में सक्षम जैन, सुयश चौहान और मनोराज शामिल हैं।

शनिवार रात दोनों बहनें और उनके तीनों दोस्त पार्टी मनाने एमपी नगर के एक होटल गए थे। रात करीब 1ः15 बजे जब सभी लोग कार से घर लौट रहे थे, तभी बागसेवनिया थाने के सामने यह हादसा हो गया।

100 की स्पीड से दौड़ रही थी कार- पुलिस के मुताबिक, मिसरोद की तरफ से आ रहा ट्रक जैसे ही थाने के सामने कट पाइंट से टर्न लेकर 80 फीट रोड की ओर मुड़ा, उसी समय कार तेज रफ्तार में आकर ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार 100 किमी प्रतिघंटा से अधिक बताई जा रही है। इतनी तेज रफ्तार में होने के कारण ड्राइवर ट्रक को देख नहीं सका और कार सीधी ट्रक में घुस गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दीपाली और शिखा को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाकी तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। ट्रक ड्राइवर की भूमिका और हादसे के कारणों को लेकर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में लापरवाही और तेज रफ्तार ही हादसे की वजह मानी जा रही है।

12 घंटे तक सुलगती रही भोपाल की पुट्ठा फैक्ट्री

भोपाल। भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एच सेक्टर आदर्श नगर स्थित वरुण इंटरप्राइजेज पुट्ठा (पेपर के गत्ते) बनाने की फैक्ट्री में करीब 12 घंटे तक आग सुलगती रही। सोमवार सुबह 7 बजे तक भी धुआं निकलता रहा। देर रात 50 से ज्यादा दमकलों और टैंकरों की मदद से भीषण आग पर काबू तो पा लिया गया था, लेकिन पुट्ठों की वजह से वह बार-बार सुलगती रही। अभी भी मौके पर दमकलें तैनात की गई हैं। बता दें कि फैक्ट्री में रविवार शाम 7 बजे आग लग गई थी। आग तेजी से फैलती की गई। इस वजह से पास की झुग्गी बस्ती को तत्काल खाली कराना पड़ा। झुग्गियों तक आग न पहुंचे, इसके लिए सबसे पहले दमकलकर्मियों ने वहीं मोर्चा संभाला। इसके बाद फैक्ट्री के अंदर की आग पर काबू पाने की कोशिश रात भर चलती रही। हालांकि, सुबह तक आग काबू में आ गई, लेकिन कुछ जगहों से वह बार-बार सुलग रही थी। इस कारण दमकलें मौके पर ही तैनात रही। फैक्ट्री में रखे कागज के रोल और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बुझाने के लिए शहर के सभी फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे।

चैक-लिस्ट बनाकर करें बाढ़-राहत और बचाव संबंधी निर्देशों का पालन : मुख्य सचिव

» बाढ़ से बचाव संबंधी उच्च स्तरीय समिति की हुई बैठक » विभागों को सौंपे गये दायित्व

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बाढ़ राहत एवं बचाव संबंधी राज्य स्तरीय समिति की बैठक में निर्देश दिये हैं कि बाढ़ राहत और बचाव संबंधी निर्देशों के दृष्टिगत एक चेक लिस्ट बनाई जाये और उक्त अनुसार सभी विभाग अगले 15 दिनों के अंदर सौंपे गये दायित्वों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि उड़ीसा में आपदा प्रबंधन पर हुए अच्छे कार्यों को मॉडल बनाकर राज्य में उसी तरह का सिस्टम विकसित किया जाये, जिससे जनहानि से बचा जा सके। उन्होंने राजस्व, गृह, कृषि, जल संसाधन, और मौसम विभाग को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। बैठक मेंगृह विभाग को बाढ़ राहत संबंधी कार्यों का नोडल विभाग बनाये जाने का निर्णय लिया गया। मुख्य

सचिव श्री जैन ने विभिन्न विभागों को बाढ़ से बचाव और राहत संबंधी अनेक दायित्व सौंपे हैं। मानसून पूर्व बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए हुई राज्य स्तरीय समिति की बैठक में गृह विभाग को सेना से समन्वय, बाढ़ बचाव उपकरणों की तैयारी, प्रशिक्षित तैराकों की सूची और नियंत्रण कक्ष से समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। राजस्व विभाग को सभी कलेक्टर को चैक-लिस्ट अनुसार तैयारी, आपदा की स्थिति में क्षति आकलन और समय पर राहत वितरण सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है।

दीपों से जगमगायी प्राचीन बावड़ी

» प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित कर किये जा रहे हैं जल संरक्षण के कार्य

भोपाल। प्रदेश स्तर पर 30 मार्च से शुरू हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान लगातार जारी है। अभियान में 30 जून तक निरंतर गतिविधियाँ हों, इसके लिये जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। अभियान में चिन्हित की गयीं बावड़ियों की सफाई कर अंतिम रूप दिया जा रहा है। जन-सामान्य को इनके ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में भी अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गयी है।

मंडला जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से नदी-तालाबों के आस-पास सफाई कार्य किये जा रहे हैं। महाराजपुर संगम घाट स्थित बावड़ी में 卐बावड़ी उत्सव卐 का आयोजन कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में हुआ। परम पूज्य संत श्री भीमदेव जी आचार्य काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल और माँ नर्मदा गौशाला जिलहरी घाट, गाजीपुर और अन्य संतों के साथ बावड़ी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में माँ नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि प्राचीन काल में बावड़ियाँ वर्षा के पानी को एकत्रित करने और भूजल स्तर को बनाए रखने के लिए बनाई जाती थीं। शुष्क क्षेत्रों में, वे जल उपलब्धता में मौसमी उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करती थीं। बावड़ियाँ सामाजिक मेलजोल के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान हुआ करती थीं। कार्यक्रम में बताया गया कि बाबडी का निर्माण कार्य वर्ष 1890 में किया गया था। इस बावड़ी की संरचना ऐसी हैं कि इसमें नर्मदा जलधारा हमेशा बनी रहती हैं।

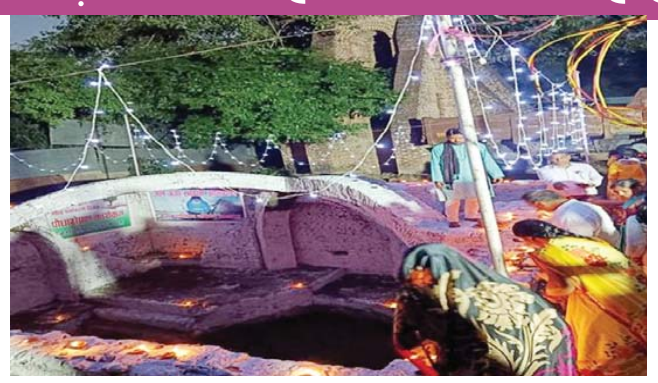

नीमच जिले मेंजल गंगा संवर्धन अभियान में सभी कार्य तेजी से पूरे किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जनपद सीईओ एवं सभी सहायक यंत्रियो को निर्देश दिये कि वे उन कामों का दौरा कर निरीक्षण करें, जहाँ जल स्त्रोतों की सफाई का कार्य अभी भी चल रहा है। बैठक में सेक्टरवार नवीन खेत-तालाब निर्माण, डगवेल रिचार्ज और प्राचीन जल-स्त्रोत संबंधी कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया। जिले में 22 अमृत सरोवरों, 731 खेत-तालाब और 1900 कुआँ रिचार्ज के कार्य जारी हैं। उज्जैन जिले में मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में बावड़ी उत्सव मनाया गया। यह उत्सव ग्राम रुई स्थित प्राचीन श्री भैरव बाबा की बावड़ी पर किया गया। महिलाओं द्वारा शिव मंदिर पर पूजन-अर्चन कर बावड़ी तक ढोल के साथ कलश यात्रा निकाली गई। ग्रामीणों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए प्राचीन जल संरचनाओं की उपयोगिता एवं आवयश्कता बताई गई। ग्रामीणों को जल संरचनाओं में कूड़ा-कचरा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को न डालने की शपथ दिलाई गई। जिला पंचायत सदस्य श्री अमर सिंह ने वाटर हॉर्वेस्टिंग, नए तालाबों का निर्माण एवं वर्षा के जल को सहजने की बात कही।

अशोका गार्डन-ललिता नगर सहित 50 इलाकों में आज बिजली कटौती

भोपाल। भोपाल के करीब 50 इलाकों में मंगलवार को 30 मिनट से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा।

इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक मनी पुरम, आम्रपाली परिसर, चिनार वुड लैंड, अशोक निर्माण सोसाइटी एवं आसपास। सुबह 9.30 से 10 बजे तक आम्र विहार, सीएचसी कोलार, डीके हनी होम्स, कस्टम कॉलोनी, सीआई हाइट्स एवं आसपास के इलाके। सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक कटियार मार्केट, अब्बास नगर, समृद्धि परिसर, ललिता नगर, अंकित परिसर, ओम नगर, राजहर्ष कॉलोनी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से 10.30 बजे तक और दोपहर 12.30 से 1 बजे तक वाल्मी, श्रीकृष्णा फ्रेंड्स कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से 10.30 बजे तक और दोपहर 1 से 1.30 बजे तक हेमू कालानी, स्काई ड्रीम, सांई आर्चेड, स्टार एवेन्यू एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक छप्पन क्वार्टर टीला, गौतम नगर, नारियल खेड़ा, पीपल चौराहा, नगर निगम कॉलोनी, गणेश नगर, प्रेम नगर एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक विट्टन नगर, प्रगति नगर, अशोका गार्डन, अमृत कॉम्पलेक्स, जानकी नगर, निशातपुरा, आरिफ नगर एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मेपल ट्री एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक साउथ इन्क्लेव, अयंगर कॉलोनी, सांई आर्चेड, डीके गोल्ड एवं आसपास। दोपहर 12.30 से 1 बजे तक बाबा नगर, विकास कुंज, बसंत कुंज, इंडस एम्पायर एवं आसपास के क्षेत्र।

स्वत्ताधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576